दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 202
मुरादाबाद
(Friday)
14 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने जनजाति भागीदारी उत्सव का किया शुभारंभ, बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया और इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा को याद किया।राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जनजाति भागीदारी उत्सव का मुख्यामंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 1 से 15 नवंबर तक जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। जनजाति समाज को अपनी परंपरा, गौरव पर अनुभूति हो और समाज राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हो इस कोशिश में यह उत्सव किया जा रहा है। इस उत्सव में 22 राज्यों के जनजाति समाज के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ ही कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।उत्सव में सांस्कृतिक समागम और यात्रा के माध्यम से लोग जुड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश पार्टनर राज्य होने के साथ ही अन्य राज्यों के कलाकार यूपी में आकर इसके सहभागी बन रहे हैं। उत्सव में हस्तशिल्प और कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला भी लग रहा है। इस उत्सव के माध्यम से हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सम्मान व्यक्त कर सकें।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साल हमारे लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह वर्ष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पूरे होने के साथ ही बिरसा मुंडा की जयंती के 150 साल पूरे होने का वर्ष भी है। यह वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम के भी 150 वर्ष में प्रवेश का वर्ष भी है। वह अमरगीत जिसने स्वाधीनता को नया मंत्र दिया था। यह वर्ष भारत के संविधान, एकता और अखंडता की आत्मा बन गया है। पुलिस भर्ती में जनजाति समाज के लोगों को मिला मौका- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे। इसके लिए उन्होंने अभियान चलाया। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ा और 25 साल में रांची की जेल में अंतिम सांस ली। उनका कहना था कि देश हमारा है तो राज भी हमारा होना चाहिए। ब्रिटिश हुकूमत राज न करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रेरणा दी है कि एक पूरा जनजाति गौरव पखवाड़ा मना रहे हैं। उनकी परंपरा, संस्कृति को प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। यूपी देश की आबादी का सबसे बड़ा प्रदेश है। जनजाति समुदाय की आबादी कुल की अपेक्षा कम है। पहले सरकारी नौकरी के लिए जनजाति की सभी सीटें नहीं भरती थी। अब पुलिस भर्ती में जनजाति समाज की सभी सीटें भरी हैं। उनकी शिक्षा और भागीदारी बढ़ी है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। हमारी सरकार ने तय किया है कि जो भी जनजाति यूपी में हैं उनको उनका अधिकार मिले। सरकार इसके लिए काम करेगी। थारू, मुसहर, चेरो, कोल और गौड़ आदि को सभी सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने को अभियान चलाया गया है। आज ज्यादातर जातियां सभी जरूरी सुविधाओं को पा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

नित्यानंद-समाट चौधरी को अपराधी बता पूर्व मंत्री ने BJP छोड़ी, चिट्ठी में सुशील मोदी का जिक्र

रामाधार सिंह ने लिख कि मैं जूता तोड़ कर राजनीति किया हूँ आपके तरह बड़े नेताओं के जूते चाट कर नहीं, आप पूरे बिहार में यादव और बालू माफिया से पार्टी को बेच दिए।बिहार विधानसभा चुनाव को दोनों चरण संपन्न हो चुका है। ऐसे में पूर्व मंत्री रामाधार सिंह ने परिणाम से ऐन वक्त पहले चिट्ठी बम फोड़ दिया।
चिट्ठी में क्या लिखा
अध्यक्ष जी, सुशील मोदी जी के आत्मा के कष्ट न हो इसलिए भाजपा उम्मीदवार को खुल कर समर्थन कर रहा था, परन्तु उम्मीदवार के पिताजी गोपाल नारायण सिंह सुशील कुमार मोदी जी को गली-गली गाली दे रहे हैं और उन्होंने बोला की रामधार को सुशील मोदी गाली देने के लिए रखा था। मैं आप लोगों के तरह नमक हराम नहीं हूँ मैं कितना भी कष्ट झेल लूँ लेकिन सुशील मोदीजी और कैलशपती मिश्राजी का अपमान नहीं सह सकता हूँ। आजकल कैलाश जी और सुशील मोदी जी के द्वारा लगाया गया फूलवारी आप लोगों जैसे अपराधियों के कब्जे में है आप पर भी हत्या का मुकदमा है समाट चौधरी पर भी मुकदमा है और नित्यानंद राय पर भी हत्या का मुकदमा है इसलिए मैं अपराधी के नेतृत्व में काम नहीं कर सकता। मैं जूता तोड़ कर राजनीति किया हूँ आपके तरह बड़े नेताओं के जूते चाट कर नहीं, आप पूरे बिहार में यादव और बालू माफिया से पार्टी को बेच दिए। उदाहरण के तहत पालि, शेरघाटी, दिनारा आलोक सिंह बालू माफिया के हाथ में बेच दिये संदेश जग जाहिर है।

बरेली में अखिलेश यादव बोलेः जब कुर्सी हिलती है तो योगी जी कम्युनल हो जाते हैं; कहा- भाजपा वाले भूमाफिया हैं

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा वाले भूमाफिया हैं, ये जमीन और सोना ले रहे हैं। एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि जब योगी जी की कुर्सी हिल जाती है तो वह कम्युनल हो जाते हैं।समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बृहस्तपिवार को बरेली पहुंचे। एयरपोर्ट पर सपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने नैनीताल हाईवे स्थित होटल में बहेड़ी के सपा विधायक अताउर रहमान की बेटी के शादी समारोह में शिरकत की। सपा मुखिया ने होटल में प्रेसवार्ता भी की। उन्होंने कहा कि शादी के बहाने बहुत सारे लोगों से मिलने का मौका मिल जाता है। समाजवादी लोग ऐसे समारोह में जाते हैं। स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य किए जाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि योगी जी की जब कुर्सी हिल जाती है तो वह कम्युनल हो जाते हैं। पटना में एयरपोर्ट पर जाते समय उन्होंने मुझसे कहा था कि वह बहुत जल्दी सीएम बनने जा रहे हैं। जब उन्हें लगता है, उनकी कुर्सी हटा दी जाएगी तो उनकी भाषा बदल जाती है। उन्हें इतिहास से कोई लेना देना नहीं है, बस उन्हें डिवीजन करना है। जबकि सपा विजन के साथ जा रही है। दिल्ली ब्लास्ट पर ये कहा- दिल्ली ब्लास्ट पर अखिलेश यादव ने कहा कि जो हमारा आजादी का प्रतीक है, वहां पर ब्लास्ट हो जाता है। वहां कितने प्रधानमंत्री ने झंडा फहराया है। वहां ऐसी घटना होगी। शहर में 26 सितंबर हुए बवाल पर कहा कि बरेली में जो कुछ हुआ, वो प्रशासन की नाकामी है। बरेली के डीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां के जिलाधिकारी कटहरी में भाजपा के जिलाध्यक्ष बनकर काम कर रहे थे। जब अधिकारी भाजपा के बन जाएं। आयोग भाजपा का हो जाए तो सोचो लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा। भाजपा वालों को बताया भूमाफिया - सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग भगवान से ऊपर हैं। इकाना स्टेडियम भगवान का नाम है, उसका नाम बदल दिया। कभी मुख्यमंत्री ने एक बिजली का कारखाना लगाया है, किया क्या बिजली महंगी कर दी। गरीब शादी ब्याह कैसे करे। गरीब सोना नहीं खरीद सकता। भाजपा वाले भूमाफिया हैं। सोना और जमीन ले रहे हैं। बुलडोजर संस्कृति गलत- अखिलेश -शाहजहांपुर जिले में हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर अखिलेश बोले कि बुलडोजर संस्कृति को कोई स्वीकार नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि बुलडोजर संस्कृति नहीं है। इससे समाधान नहीं हो सकता है। बिहार चुनाव पर अखिलेश यादव ने कहा कि हम एग्जिट पोल पर कैसे यकीन करे। बिहार में तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। %लोकसभा चुनाव में अफसरों ने की बेईमानी%- अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कई अधिकारी अगर बेईमानी नहीं करते तो परिणाम दूसरा होता। भाजपा की दिल्ली में सरकार नहीं होती। जो जिम्मेदार लोग हैं, वहीं अन्याय करेंगे तो लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि हमारे लोग सीसीटीवी बनकर निगरानी करेंगे। पीडीए प्रहरी बनकर नजर रखेंगे।

भारत की तैयारीः अमेरिकी टैरिफ के असर से निपटने के लिए केंद्र का बड़ा कदम, 45,000 करोड़ की दो योजनाओं को मंजूरी

अमेरिका के भारी टैरिफ से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाएं मंजूर की हैं। 25,060 करोड़ के निर्यात संवर्धन मिशन से वस्त्र, चमड़ा, रत्न-आभूषण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा, जबकि 20,000 करोड़ की ऋण गारंटी योजना के तहत निर्यातकों को बिना संपार्श्विक ऋण सहायता मिलेगी। यह कदम निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद करेगा।केंद्र सरकार ने अमेरिका के भारी टैरिफ के असर से निपटने में निर्यातकों की मदद के लिए 45,000 करोड़ रुपये की दो योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन का मकसद भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा क्षमता को मजबूत करना है। दूसरी, निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई) है, जिसमें 20,000 करोड़ रुपये तक की संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता सुनिश्चित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ये निर्णय किए गए।निर्यात संवर्धन मिशन के तहत अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद को मदद दी जाएगी। इसमें खासकर पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए सूक्ष्म, लघु, मध्य उद्यम (एमएसएमई) को मदद मिलेगी। यह मिशन इस वित्त वर्ष से शुरू होगा और छह वित्त वर्ष के लिए होगा। इस कदम से निर्यातकों को अमेरिका के लगाए गए भारी टैरिफ से निपटने में मदद मिलेगी।केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मिशन को दो उपयोजनाओं 10,401 करोड़ के निर्यात प्रोत्साहन एवं 14,659 करोड़ रुपये के निर्यात दिशा योजना के जरिये क्रियान्वित किया जाएगा। यह व्यापक मिशन है और यह संपूर्ण निर्यात तंत्र को समर्थन देगा। इस कदम से घरेलू निर्यातकों को अमेरिकी टैरिफ से बचाने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगा दिया है। भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच होगी आसान- निर्यात प्रोत्साहन- ब्याज अनुदान, निर्यात लेनदारी लेखा क्रय, गारंटी, ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट कार्ड और नए बाजारों में विविधीकरण के लिए ऋण वृद्धि सहायता जैसे कई साधनों के जरिये एमएसएमई के लिए किफायती व्यापार वित्त तक पहुंच में सुधार पर केंद्रित है। निर्यात दिशा- गैर-वित्तीय सक्षमताओं पर केंद्रित है, जो बाजार की तैयारी और प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाती हैं। इसमें निर्यात गुणवत्ता और अनुपालन सहायता, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग, पैकेजिंग के लिए सहायता और व्यापार मेलों में भागीदारी, निर्यात भंडारण और लॉजिस्टिक्स, अंतर्देशीय परिवहन प्रतिपूर्ति व व्यापार खुफिया और क्षमता निर्माण पहल शामिल हैं। क्रेडिट गारंटी योजना में 100 फीसदी कवरेज- क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) के तहत राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लि. (एनसीजीटीसी) की ओर से सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी कवरेज दिया जाएगा, ताकि एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त क्रेडिट सुविधाएं दी जा सकें। योजना वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से लागू की जाएगी। इससे भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ने और नए व उभरते बाजारों में विविधीकरण को समर्थन मिलने की उम्मीद है। योजना में सुचारू व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। अहम खनिजों पर युक्तिसंगत रॉयल्टी- वैष्णव ने बताया, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम पर रॉयल्टी दरों को युक्तिसंगत बनाने को मंजूरी दी है। इससे चारों खनिजों के ब्लॉकों की नीलामी को बढ़ावा मिलेगा। इससे इन खनिजों के साथ पाए जाने वाले अन्य महत्वपूर्ण खनिजों जैसे लिथियम, टंगस्टन, आरईईएस और नियोबियम को भी प्राप्त किया जा सकेगा। इन खनिजों का उपयोग परमाणु ऊर्जा, एयरोस्पेस, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रिक वाहनों, घड़ियों, जीपीएस प्रणालियों व चिकित्सा उपकरणों में किया जाता है।

मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को बताया अव्यवहारिक, कहा- पशुओं के प्रति दया भावना जरूरी

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के आवारा पशुओं को शेल्टर में रखने के आदेश को 'अव्यवहारिक' बताया। उन्होंने कहा कि भारत को पशुओं के प्रति करुणा पर आधारित नीति अपनानी चाहिए। गांधी ने फिल्मों पर भी कहा कि सिनेमा को समाज में दया और संवेदनशीलता के संदेश को मजबूत करना चाहिए।पूर्व केंद्रीय मंत्री और पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अदालत का आवारा पशुओं को पकड़कर शेल्टर होम में रखने का निर्देश 'अव्यवहारिक' है। गांधी ने कहा कि भारत को पशुओं के प्रति करुणा पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, न कि नियंत्रण पर।सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर कुत्तों के बढ़ते हमलों पर चिंता जताई थी। अदालत ने ऐसे क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर में रखने और राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेसवे से मवेशियों को हटाने के निर्देश दिए थे।मेनका गांधी की प्रतिक्रिया- मेनका गांधी ने कहा कि अदालत के निर्देश करो लेकिन कोई कर नहीं सकता जैसे हैं। उन्होंने कहा कि कुत्ता हटाओ, बिल्ली हटाओ, बंदर हटाओ और शेल्टर में डालो यह संभव नहीं है। गांधी ने कहा कि देश में नगर निकायों के बीच तालमेल की कमी है और पशु संरक्षण में व्यावहारिक दृष्टिकोण जरूरी है।गांधी ने यह टिप्पणी नई दिल्ली में 'सिनेकिड' नामक नई पहल के शुभारंभ के दौरान की। यह पहल फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया और उनकी संस्था 'पीपल फॉर एनिमल्स द्वारा शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य फिल्मों में करुणा और मानवीय संवेदनाओं को प्रोत्साहित करना है। आत्म-नियमन की जरूरत- पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि फिल्मों की शक्ति समाज को प्रभावित करने में अपार है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले फिल्मों में जानवरों के साथ अत्याचार होता था, लेकिन अब आत्म-नियमन की जरूरत है। एफएफआई के अध्यक्ष फिरदौसुल हसन ने कहा कि 'सिनेकिड' का उद्देश्य यह दिखाना है कि करुणा भी नायकत्व जितनी ही प्रभावशाली है।

संपादकीय Editorial

10/11 Delhi Blasts

The massive car explosion near Gate No. 1 of the Red Fort Metro Station in the capital, Delhi, killed 11 people and injured over 25 others. Some of the seriously injured are undergoing treatment in the ICU of LNJP Hospital. Five of them are reported to be in critical condition. May God grant them life. The question is: isn't such an explosion a terrorist attack? A 'high alert' has been declared in major cities and states across the country, including Delhi, Mumbai, and Uttar Pradesh. So, isn't this the aftermath of a terrorist attack? The explosion was so powerful that its echo was heard for nearly a kilometer. The occupants of the car were blown to pieces. One person's ribs were exposed, another's lungs were exposed, another's arm was broken and fell out, and others were in a state of limbo. Human body parts and parts of the vehicles that were hit by the blast were shattered and thrown into the air, landing 20-25 meters away. Wouldn't such an inhumane attack be considered a terrorist attack? Could it even be a suicide attack? Six cars, two e-rickshaws, and an auto-rickshaw surrounding the car whose rear explosion occurred also caught fire. The occupants of these cars also died, and some were taken to the hospital with burns and injuries. Could such a massive, unusual, and powerful explosion have been caused by a CNG cylinder explosion? However, all indications of the explosion in the capital Delhi point to a terrorist attack. However, we will await the final conclusions of the National Investigation Agency, NSG, and forensic teams. A case has been registered under the UAPA. Investigating agencies are interrogating 13 suspects. Nearly 200 Delhi Police personnel have performed the crucial task of examining CCTV footage. Union Home Minister Amit Shah has held an emergency meeting with the Home Secretary, the Intelligence Bureau chief, and the heads of all key security agencies. Assessments and analysis are underway to determine the scale of the explosion. The possibility of a terrorist attack is also not being ruled out. However, the nature of the blast will only be announced after a thorough investigation. If this explosion proves to be a terrorist attack, then after 14 long years, terrorist plots will succeed in the capital, Delhi. The last major blast in Delhi occurred on September 7, 2011, outside the High Court, resulting in 11 deaths. In September 2008, a series of blasts were carried out in Delhi itself. Connaught Place, Karol Bagh, and Greater Kailash were hit hard, killing 25 people and injuring 90. Now, near the Red Fort, where the blast occurred, there are places and markets like the Jain Temple, Gauri Shankar Temple, Chandni Chowk, and Bhagirath Place, which attract a crowd of 250,000 to 300,000 people in the evening. The metro station is also crowded. If it proves to be a terrorist attack, then the terrorists targeted the crowd. This is a high-security area of ??the capital and therefore extremely sensitive. Prime Minister Modi addresses the nation from the ramparts of the Red Fort on Independence Day, August 15th. Coincidentally, while such a powerful explosion occurred near the Red Fort in Delhi, 25-30 km away, in Faridabad, an industrial city in Haryana, 2563 kg of explosives were recovered from a house in Fatehpur Taga village and 360 kg from another house in Dhauj village, totaling approximately 2900 kg. The shocking and disturbing fact is that three educated doctors are involved in this terrorist module. They have links with Jaish-e-Mohammed in Pakistan. Imagine, if these chemicals had been used as explosives, many Pulwama massacres could have been carried out. Furthermore, this doctor quartet of terrorists possessed AK-47s, 56s, and Beretta pistols, assault rifles, 20 timers, 8 large and 4 small suitcases, and 50 sacks filled.

The war against terror is not over yet. The enemy may have weakened somewhat, but it is still capable of striking.

This fight is not just for the police, the armed forces, or intelligence agencies, but for every Indian. The government and the opposition must work together with a common purpose, placing national security above politics. Citizens must also remain vigilant, responsible, and united against the hatred and misinformation that weaken the country from within. The terrorist attack was carefully planned. The powerful explosion near the Red Fort in Delhi once again reminds us that India's war against terrorism is far from over. Coming just months after Operation Sindoor, this terrorist incident confirms that the fight has just entered a new phase. Although the enemy has weakened, it is still capable of striking. What is worrying is that the Red Fort terrorist attack was carefully planned. Hours before the blast, Jammu and Kashmir Police, in collaboration with Haryana Police, recovered approximately 3,000 kilograms of explosives from two residential buildings in Faridabad, including 350 kilograms of ammonium nitrate. It is a fertilizer that can easily be turned into a deadly bomb. This recovery potentially averted an even greater tragedy. The involvement of doctors in this act of terrorism shows that radicalism is now infiltrating even places once considered safe, such as universities and hospitals. The Red Fort blast case began on October 27th, when Jaish-e-Mohammed posters appeared in Srinagar. CCTV footage helped police identify Dr. Adil, who was later arrested in Saharanpur, Uttar Pradesh. When investigators searched his locker at the Government Medical College in Anantnag, they found an assault rifle. During his interrogation, police discovered a cache of explosives hidden in Faridabad, revealing a widespread network stretching from Kashmir to Delhi-NCR. This network also had connections beyond India's borders. The terrorists' handlers were active in Pakistan. Another terrorist, Dr. Muzammil Shakeel of Al Falah University, was also arrested in this case. The car laden with explosives was also driven by a doctor, Umar Mohammad. According to officials, the suspected suicide bomber entered Delhi and parked the car near a mosque. CCTV footage shows that he did not exit the car even once while it was parked. It appeared he was either waiting for instructions or for his intended target. Investigators believe that the arrests in Faridabad may have spread panic within the group. Feeling trapped, Umar Mohammad may have detonated the bomb out of frustration or panic. His handler may have convinced him to commit suicide rather than be captured alive. Whatever the case, it is no secret that extremist groups influence young, educated minds by convincing them that martyrdom is a noble act. Once again, clues point to Pakistan. Pakistan's intelligence agency, the ISI, is working to bring together terrorist groups like Lashkar-e-Taiba and the Islamic State Khorasan Province. Its aim is to revive terrorist activities in India and spread unrest beyond Jammu and Kashmir. The timing of the Delhi blast suggests it was intended to avenge Operation Sindoor, India's successful counter-terrorism operation. Pakistan's new aggression also appears to be linked to global politics. Recently, it has strategically leveraged its position in Central Asia to rebuild relations with the United States. Whenever Pakistan receives global support, it uses it to provoke India through terrorist activities. However, India is no longer the same today. Its response to terrorism is no longer slow or defensive. Operation Sindoor was proof that India is prepared to act with confidence and precision, yet the Red Fort blast demonstrates that terrorists have also changed their methods. They now operate from small, hidden hideouts and blend into everyday life, making it difficult for the police to detect them in time. To prevent such attacks in the future, heightened vigilance is required. Security vigilance should not be limited to Jammu and Kashmir or major cities like Delhi, but should extend across the country. The sheer quantity of explosives recovered from the terrorists highlights the potential scale of destruction. This raises the suspicion that multiple coordinated blasts may have been planned. Therefore, strengthening intelligence networks, tightening surveillance in urban and semi-urban areas, and improving inter-agency coordination is crucial. On the diplomatic front, India must continue to expose Pakistan's double standards in portraying itself as a victim of terrorism while secretly supporting it. Countries that still consider Pakistan a counter-terrorism partner should be reminded of its true record. India should use global forums like the United Nations, G-20, and FATF to press for strong international action against countries that harbor or finance terrorism. India should avoid immediate military or retaliatory measures while planning its next steps. This must increase. Counter-terrorism today requires a multi-pronged strategy, including robust diplomacy, advanced defense and intelligence systems, internal social cohesion, and, above all, unwavering political will. The Red Fort incident is also a reminder that the threat still lurks among us, waiting for moments of weakness and division. This fight is not just for the police, the armed forces, or the intelligence agencies, but for every Indian. The government and the opposition must work together with a common purpose, placing national security above politics. Citizens must also remain vigilant, responsible, and united against the hatred and misinformation that weaken the country from within.

Doctors who taught terrorism are now becoming terrorists, even those in respected professions.

Repeatedly, news comes from some part of the country about police busting terrorist modules, arresting terrorists, and seizing explosives and weapons from them. This does not mean that the terrorist threat is diminishing. The truth is that it is increasing day by day, as even those in respected professions are becoming terrorists. A doctor was arrested with explosives in Faridabad. The driver of the car that exploded near the Red Fort in the capital Delhi, killing more than ten people, was also a doctor. His name is Umar Mohammad. He either blew himself up along with the explosive-laden car or accidentally caused the explosion. Umar from Pulwama turned out to be an associate of the three doctors from whom approximately 3,000 kg of explosives and weapons were recovered in Faridabad. One of them is Dr. Muzammil and the other is Dr. Adil. Both are from Kashmir. Their third companion is Dr. Shaheen, who is from Lucknow. Their other associates are also being searched for. It would not be surprising if they turn out to be in contact with other doctors who are terrorists. In addition to these doctors, another doctor, Mohiuddin, is in Gujarat Police custody. He studied medicine in China. The Gujarat Police Anti-Terrorism Squad arrested him along with two of his associates with weapons. He was preparing to make the deadly poison ricin from castor seeds, which could kill a large number of people simultaneously. This is not the first time a doctor's name has surfaced in a terrorist plot or incident. Many doctors have been caught on the path of terrorism before. The most shocking name in recent times was that of Pune's Dr. Adnan Ali Sarkar. He was arrested by the NIA in 2023. He was a respected doctor in the city but was working for the dreaded terrorist group ISIS. In recent years, in addition to doctors, several terrorists who were engineers have been arrested. One of them was working for a multinational company in Bengaluru and, under the name Shami Witness, was active online, inciting Muslim youth to join ISIS and even helping them to go to Syria. Besides doctors and engineers, numerous other highly educated Muslim youth have been arrested as terrorists. Some were not caught because they managed to reach Syria and Afghanistan to support ISIS or al-Qaeda before the police could catch them. Now, it is difficult to count the number of educated, or even highly educated, youth who have become terrorists. The notion that only the uneducated or the poor become terrorists due to religious fanaticism or persecution has been proven completely false. In the last two to three decades, countless highly educated Muslim youth in India and the world have chosen to become terrorists. ISIS has attracted the most such youth from around the world. In India, from Kerala to Kashmir, many educated Muslim youth have become terrorists. Initially, reports surfaced that they had come into contact with a jihadist cleric or maulana and become terrorists. Then, reports began to surface that they became terrorists after viewing jihadist material on the internet. Some became so consumed by religious fanaticism that they formed their own terrorist groups called Ghazwa-e-Hind or something similar. Is it a secret that such names are inspired by religious beliefs? Those who chose to become terrorists while studying medicine or engineering cannot be said to have been persecuted or faced financial hardship. They could have lived a happy life, but they were obsessed with becoming terrorists. The answer to why this happened cannot be found in the statement that terrorism has no religion. This statement is always controversial, but there is no dispute that it is through the cover of religion or its support that one embarks on the path of terrorism. Jihadi groups around the world are armed with religious beliefs. They justify their Jihadi activities with these very principles. Fatwas have been issued against them from time to time, but now, with even doctors and engineers becoming terrorists, they prove that they are ineffective. Jihadi terror is the product of an ideology. This dangerous ideology cannot be tackled by the police, intelligence agencies, and governments alone. Tackling it is the responsibility of society, along with governments. Society can fulfill this responsibility only when it understands that the problem lies in religious principles and values, which are easily interpreted as per one's wishes. To combat Jihadi terror, it is also essential to avoid cheap and narrow politics. As soon as the blast in Delhi occurred, the second phase of voting in Bihar was mentioned with relish and the slogan, "Find out if there are elections anywhere?" Such shallow talk only helps the terrorists and their supporters. From one part of the country or another, news constantly comes of police busting terrorist modules, arresting terrorists, and seizing explosives and weapons from them. This does not mean that the terrorist threat is diminishing. In fact, it is increasing day by day, as even those in respectable professions are becoming terrorists.

दो कारोबारियों को अगवा करने की फिराक में थे टिड्डा व दीनू, पुलिस ने दोनों को ऐसे किया ढेर..

प्रॉपर्टी डीलर से दो करोड़ की रंगदारी मांगने वाले कुख्यात बदमाश आसिफ उर्फ टिड्डा और उसका साथी दीनू मुरादाबाद के दो और कारोबारियों के अपहरण और फिरौती की साजिश रच रहे थे। पुलिस व एसटीएफ को इनपुट मिलने पर घेराबंदी की गई। इसके बाद भोजपुर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान दोनों ढेर हो गए।प्रॉपर्टी डीलर से दो करोड़ की रंगदारी मांगने वाले कुख्यात बदमाश आसिफ उर्फ टिड्डा और उसका साथी दीनू मुरादाबाद के दो कारोबारियों को अगवाकर उनके परिवार से फिरौती मांगने की तैयारी में थे। इसका इनपुट मिलते ही पुलिस और एसटीएफ एक्टिव हो गई और इनकी घेराबंदी शुरू कर दी थी। सोमवार की रात पुलिस और एसटीएफ ने दोनों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था।कटघर थानाक्षेत्र के बरवाला माजरा निवासी मो. जफर से मेरठ निवासी आसिफ टिड्डा और दीनू 22 सितंबर से एक करोड़ की रंगदारी मांग रहे थे। आसिफ ने मो. जफर के दफ्तर में पहुंचकर तमंचे के बल पर उनसे दो लाख रुपये लूट लिए थे। इसके अलावा 27 सितंबर की रात करीब एक बजे उनके घर पर भी फायरिंग कराई गई थी। पुलिस का दावा है कि आसिफ और दीनू प्रॉपर्टी डीलर मो. जफर के अलावा दो अन्य कारोबारियों को भी टारगेट बना चुके थे।एक कारोबारी कटघर और दूसरे मझोला क्षेत्र में रहने वाले हैं। बदमाशों ने इनकी रेकी भी शुरू कर दी थी। सोमवार को भी दोनों मुरादाबाद आए और इन्होंने अपने टारगेट पर फोकस कर दिया था। इस घटना को अंजाम देने के लिए इन्होंने मुरादाबाद से ही कार चोरी कर ली थी। एसटीएफ की मेरठ यूनिट के पास इनपुट था कि दोनों मुरादाबाद में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले हैं।इनकी लोकेशन को ट्रेस करते हुए एसटीएफ के एएसपी ब्रजेश सिंह अपनी टीम के साथ मुरादाबाद पहुंचे और उन्होंने एसएसपी सतपाल अंतिल से संपर्क किया और इनपुट को शेयर किया। इसके बाद टीम बदमाशों की तलाश में जुट गई थी। सोमवार की रात भोजपुर क्षेत्र में दोनों बदमाशों को ढेर कर दिया। एसएसपी सतपाल अंतिल का कहना है कि इसका इनपुट मिला था कि आसिफ टिड्डा और उसका साथी दीनू मुरादाबाद में दो कारोबारियों को अगवा करने की फिराक में हैं।आसिफ को तीन व दीनू को लगीं दो गोलियां- जिला अस्पताल लाए गए दोनों बदमाशों को डॉक्टर को मृत घोषित किया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि आसिफ उर्फ टिड्डा को तीन गोली लगी है जबकि दीनू को दो गोलियां लगी हैं। बदमाशों से यह सामान हुआ बरामद = स्विफ्ट कार, कार्बाइन 30 बोर, तीन पिस्टल 32 बोर, कारतूस 30 बोर और 32 बोर।डकैती में हो चुकी है सात साल की सजा - आसिफ उर्फ टिड्डा ने 2013 में हरियाणा के पानीपत जिले के चांदी बाग क्षेत्र में परिवार को बंधक बनाकर 40 लाख रुपये की डकैती की घअना को अंजाम दिया था। इस मामले में उसे सात साल की सजा हुई थी। 2021 में सजा पुरी करने के बाद जेल से बाहर आ गया और फिर से वारदात करने लगा था। 2007 में दीनू पर दर्ज हुआ पहला मुकदमा - मेरठ के सरुरपुर थाने के हिस्ट्रीशीटर दीनू के खिलाफ 2007 में पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद लूट, जानलेवा हमला और समेत अलग अलग थानों में 22 मुकदमे दर्ज हैं। दीनू आसिफका खास था। दोनोंने साथ मिलकर कई घटनाएं की थीं।बदमाशों ने 32 बोर की पिस्टल से चलाईं गोलियां- भोजपुर थानाक्षेत्र में गोट में सोमवार की रात हुई मुठभेड़ के दौरान बदमाश आसिफ उर्फ टिड्डा और दीनू ने एसएसपी सतपाल अंतिल और एसटीएफ के एएसपी ब्रजेश सिंह पर 32 बोर की पिस्टल से गोलियां चलाईं थीं। दो गोलियां एसएसपी की बुलेटप्रूफ जैकेट और एक गोली एएसपी की बुलेट प्रूफ जैकेट में फंसी मिली हैं। इस मामले में भोजपुर थाने में केस दर्ज किया गया है जिसमें एसएसपी खुद वादी बने हैं।भोजपुर थाने में दर्ज किए गए केस में एसएसपी ने बताया कि सोमवार शाम कटघर क्षेत्र में अपने पीआरओ आशीष कुमार और हमराहों के साथ कटघर क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें एसटीएफ के एएसपी ब्रजेश सिंह ने कॉल कर बताया कि कटघर के बरवाला माजरा निवासी मो. जफर से एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले मेरठ निवासी आसिफ उर्फ टिड्डा व दीनू मौजूद हैं वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

जाम से मुक्ति के लिए 65 प्राइवेट पार्किंग चिह्नित, नगर निगम देगा लाइसेंस, 12 लाख को मिलेगी राहत

मुरादाबाद में जाम की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने निजी पार्किंगों को लाइसेंस देने का फैसला लिया है। शहर में 65 स्थानों पर संचालित निजी पार्किंगों को अब निगम में पंजीकरण कराना होगा। निगम इन पार्किंग स्थलों को मोबाइल एप से दिलाने के लिए नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। किया जाएगा। निगम ने शहर में ऐसी 65 जगहों की चलाई जा रही है। इन सभी संचालकों को अब निगम लाइसेंस प्राप्त करेंगे जो निगम की तय शर्तों और पार्किंग की अव्यवस्था जाम की बड़ी वजह बन चुकी व कांठ रोड जैसे क्षेत्रों में गाड़ियां सड़कों पर खड़ी ही क्षेत्रों में पहले से संचालित पार्किंग स्थलों का सर्वे तो निगम उन्हें वैध लाइसेंस देगा और मोबाइल एप से की जानकारी देख सकेंगे और वहां गाड़ी पार्क कर जुड़ेगी- सर्वे में पाया गया है कि शहर के स्कूल, पार्किंग संचालित हैं। इनमें से अधिकांश बिना पंजीकरण के चल रही हैं। यहां मनमाने तरीके से किराया वसूला जा रहा है लेकिन निगम को कोई शुल्क जमा नहीं किया जा रहा है। निगम ने इन सभी पार्किंग को अपने साथ जोड़ने के लिए नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि इस व्यवस्था से राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। जनसंख्या और वाहन बढ़ने से बिगड़ी स्थिति- 2011 की जनगणना के अनुसार शहर की आबादी 8.87 लाख थी जो अब अनुमानित 12 लाख से अधिक हो चुकी है। इसके साथ ही वाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। हर साल सैकड़ों नए वाहन शहर की सड़कों पर उतर रहे हैं लेकिन पार्किंग स्थलों की व्यवस्था नहीं हो पाई है। प्राइवेट पार्किंग योजना को गंभीरता से लागू किया जाएगा। सालाना फीस लेकर लाइसेंस जारी किया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बिना लाइसेंस चल रही पार्किंगों का सर्वे कराया जा चुका है। यह योजना न केवल निगम को आय देगी बल्कि शहर में जाम की समस्या को भी काफी हद तक कम करेगी। - अजीत कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त

मुरादाबाद मंडल के 100 डॉक्टर एजेंसियों के रडार पर, लगातार कश्मीर यात्रा करने वालों पर भी नजर

दिल्ली धमाके के बाद मुरादाबाद मंडल में भी पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने संदिग्ध लोगों की निगरानी बढ़ा दी है। इनमें कश्मीरी डॉक्टर भी एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। मंडल में कश्मीर के 500 से ज्यादा लोग रहते हैं।दिल्ली में बम ब्लास्ट कई डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद मुरादाबाद में कश्मीरी डॉक्टर भी एजेंसियों के रडार पर आ गए बिजनौर और रामपुर में कश्मीर के 500 से ज्यादा बताया जा रहा है कि टीमों ने अपने-अपने स्तर से दिल्ली ब्लास्ट और फरीदाबाद में मिले विस्फोटक डॉक्टर को नहीं था। एक माह का ब्योरा जुटाया जा इनके संपर्क में रहने वालों का पुलिस और एजेंसियां में बार-बार दिल्ली, फरीदाबाद और जम्मू कश्मीर लाइंस क्षेत्र में डॉक्टरों की संख्या 20 से ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है। और फरीदाबाद में 2500 किलोग्राम से ज्यादा विस्फोटक सामग्री मिलने के मामले में पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने संदिग्ध लोगों की निगरानी भी बढ़ा दी है। इनमें हैं।इनकी ट्रैवल हिस्ट्री भी खंगाली जा रही है। मंडल के मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, लोग रहते हैं। इनमें 100 से ज्यादा डॉक्टर हैं। पुलिस और एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। संदिग्ध लोगों बारे में जानकारियां जुटानी शुरू कर दी हैं।यह भी देखा जा रहा है कि सामग्री के मामले में गिरफ्तार डॉक्टरों के संपर्क में मुरादाबाद मंडल का कोई कश्मीरी रहा - पिछले एक माह में इनकी ट्रैवल हिस्ट्री और मोबाइल कॉल डिटेल के अलावा ब्योरा जुटा रही है। डॉक्टरों के अलावा ऐसे भी देखा जा रहा है कि पिछले कुछ समय की तैयारी किन-किन लोगों ने की है। मुरादाबाद में मझोला, पाकबड़ा और सिविल बताई जा रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि हर संदिग्ध व्यक्ति के बारे में

चार माह में टोल प्लाजा से गुजरे 1200 ओवरलोड वाहन, एक का नहीं चालान, उठने लगे अफसरों पर सवाल

मुरादाबाद के टोल प्लाजा से गुजरने वाले 1200 से अधिक ओवरलोड वाहनों का चालान नहीं काटा गया। हर महीने 300 से अधिक ओवरलोड वाहन टोल से गुजरते हैं। इनमें अधिकांश गिट्टी, मोरंग, बालू और मिट्टी लदे ट्रक शामिल हैं।अप्रैल से जुलाई तक नियामतपुर इक्टोरिया टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों का चालान अभी तक नहीं किया गया। इस बीच 1200 से अधिक ओवरलोड वाहन टोल प्लाजा से गुजरे हैं। टोल प्लाजा से केवल अगस्त महीने में गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों का ही चालान किया गया है।ओवरलोड वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने टोल प्लाजा पर जुर्माने का प्रावधान किया है। टोल प्लाजा अधिकारियों के अनुसार नियामतपुर इक्टोरिया टोल से हर महीने 300 से अधिक ओवरलोड वाहन गुजरते हैं। ओवर लोड चलने वाले वाहनों में गिट्टी, मोरंग, बालू, मिट्टी आदि की गाड़ियां हैं। परिवहन विभाग के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-2026 के अप्रैल मई, जून और जुलाई महीने में टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों का चालान नहीं किया गया है। क्योंकि इस महीने के ओवरलोड वाहनों की सूची टोल प्लाजा से नहीं आई है। अप्रैल से जुलाई तक 1200 से अधिक वाहन टोल प्लाजा से गुजरे हैं। अगस्त में टोल प्लाजा से गुजरने वाले वालों का चालान कर दिया गया है। टोल कैशियर चिंटू पांडेय ने बताया कि टोल से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों की सूची हर महीने परिवहन विभाग को भेज दी जाती है। आरटीओ (प्रवर्तन) संदीप कुमार पंकज ने बताया कि सितंबर महीने में टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों का चालान करने की कार्रवाई की जा रही है। अक्तूबर महीने में गुजरे 378 ओवरलोड वाहन- नियामतपुर इक्टोरिया टोल प्लाजा से अक्तूबर महीने में 378 ओवरलोड वाहन गुजरें हैं। इसकी सूची परिवहन विभाग को मिल गई है। आरटीओ (प्रवर्तन) संदीप कुमार पंकज ने बताया कि अप्रैल से अक्तूबर तक केवल 1113 ओवरलोड वाहनों की सूची आई थी। इसमें 728 ओवरलोड वाहनों का चालान किया गया है। कुछ वाहनों ने 1.20 लाख शुल्क जमा किए हैं। 20 हजार रुपये के चालान का प्रावधान- परिवहन विभाग के आरटीओ (प्रवर्तन) संदीप कुमार पंकज ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट रोड सेफ्टी कमेटी के निर्देशानुसार ओवरलोड वाहन का 20 हजार रुपये का चालान होता है। इसके साथ उस वाहन पर दो हजार प्रति टन के हिसाब से चालान किया जाता है। इसके अलावा डाइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने का भी प्रावधान है। अप्रैल से लेकर जुलाई तक नियामतपुर इक्टोरिया टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों सूची नहीं आई है। इसके कारण ओवरलोड वाहनों का चालान नहीं किया गया है।- संदीप कुमार पंकज, आरटीओ (प्रशासन)

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद कांग्रेस दफ्तर विवाद: पार्टी को कोर्ट से मामूली राहत, सराफ पक्ष की याचिका खारिज, 25 को अगली सुनवाइ

मुरादाबाद कांग्रेस जिला कार्यालय के मामले में पार्टी को मामूली राहत मिली है। सिविल जज सीनियर डिवीजन नम्रता शर्मा की अदालत ने सराफ पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस कमेटी ने प्रतिकूल कब्जे के आधार पर वाद दाखिल किया है, जोकि सुनने योग्य नहीं है।कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए अगली सुनवाई की तिथि 25 नवंबर तय की है। कोर्ट में संपत्ति विवाद का मुकदमा चलेगा। सराफ पक्ष के पास जमीन की रजिस्ट्री है। जबकि कांग्रेस कमेटी का कार्यालय पहली मंजिल पर है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि दूसरे पक्ष ने कई बार कार्यालय के भवन को नुकसान पहुंचाया। उसे कब्जाने की कोशिश की। इसके बाद पार्टी ने कोर्ट में वाद दायर किया। 25नवंबर को होगी मामले की सुनवाई- पार्टी प्रवक्ता सुधीर पाठक ने बताया कि कार्यालय पहली व दूसरी मंजिल पर पिछले 70 साल से चल रहा है। उसमें कई पुराने दस्तावेज व फोटो भी उपलब्ध हैं। कई सामानों को दूसरे पक्ष द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है। सराफ पक्ष ने सात नवंबर को प्रतिकूल कब्जे के खिलाफ प्रार्थनापत्र कोर्ट में दाखिल किया। कहा कि यह केस विचारणीय नहीं है। कोर्ट में दोनों पक्षों की ओर से बहस के बाद अदालत ने प्रतिकूल कब्जे के खिलाफ दिए गए प्रार्थनापत्र को खारिज कर दिया।

लापता व्यापारी का कंकाल मिला, जंगली जानवरों ने खा लिया था शव, कपड़ों व चप्पलों से बेटे ने की शिनाख्त

कटघर से लापता भूसा व्यापारी धर्मवीर सिंह का कंकाल अमरोहा में मिला है। बेटे ने कपड़ों से पहचान कर हत्या की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट न होने पर विसरा व डीएनए सैंपल सुरक्षित रखे गए हैं।कटघर थानाक्षेत्र से 30 अक्तूबर को लापता भूसा व्यापारी धर्मवीर सिंह (50) का शव अमरोहा देहात थानाक्षेत्र के अदलपुर ताज के पास गन्ने के खेत में मिला। बेटे ने कपड़ों से कंकाल के रूप में मिले शव की शिनाख्त पिता धर्मवीर के रूप में की। बेटे का आरोप है कि उसके पिता की हत्या की गई है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने के कारण विसरा और डीएनए के सैंपल सुरक्षित रखे गए हैं। कटघर के दुर्गेश नगर निवासी धर्मवीर सिंह के परिवार में पत्नी कमलेश देवी के अलावा एक बेटा कुलदीप व छह बेटियां हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। बेटा कुलदीप एसएससी की तैयारी कर रहा है।परिजनों के मुताबिक 30 अक्तूबर की दोपहर धर्मवीर सिंह घर से निकले थे। उनके पास किसी मोबिन नाम के व्यक्ति का फोन आया था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

राज्यपाल आनंदीबेन बोलीं: पढ़े-लिखे लोग भी आतंकवाद में शामिल, इसलिए शिक्षा के साथ देशभक्ति जरूरी

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन देशभक्ति हमारे खून में भरी होना चाहिए। ऐसी शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, जो हमारे विचार पलट दे। राज्यपाल ने दिल्ली हुई घटना पर चिंता जताईबरेली में रुहेलखंड विश्वविद्यालय के अटल सभागार में बृहस्पतिवार को आयोजित 23वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों और पीएचडी धारकों को सम्मानित किया। उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। विद्यार्थियों को देशभक्ति का संदेश भी दिया। राज्यपाल ने दिल्ली में हुई घटना पर चिंता जताई। कहा कि आज पढ़े-लिखे लोग भी आतंकवादी प्रवृत्ति में शामिल हो रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन देशभक्ति हमारे खून में भरी होना चाहिए। दे।आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दिल्ली में घटना हुई ऐसी शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, जो हमारे विचार पलट प्रवृत्ति में शामिल हुए। डॉक्टर, इंजीनियर शामिल है। पहली बार यह हुआ, जिसमें पढ़े-लिखे लोग आतंकवादी को पता ही नहीं चला। सरकारों को भी पता नहीं हुए। क्या पढ़े होंगे वे लोग। उन लोगों ने क्या पढ़ाया होगा। लोगों लोगों से हमें लड़ना है। देश को बचाना है। इसलिए चला। आतंकवादियों की मंशा भारत का उड़ा देने की थी। ऐसे रखनी पड़ेगी। देशभक्ति हमारे खून में भरी होनी हमें चारों ओर दृष्टि रखनी पड़ेगी। सभी की गतिविधियों पर नजर दुनिया के कई देशों को पसंद नहीं होगा। ऐसे विचार चाहिए- राज्यपाल राज्यपाल ने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है। पढ़ाते थे, वही उसी में शामिल हैं। राज्यपाल ने वाले लोग आतंकवादी प्रवृत्ति में शामिल हुए हैं। जो अध्यापक देशभक्ति हमारे खून में भरी होनी चाहिए। आज विद्यार्थियों से कहा कि चार अंक कम आएंगे तो चलेंगे, लेकिन हैं, क्या वे शिक्षित हैं। विद्यार्थियों को बताए सफलता लोग छोटी-छोटी चीजों के लिए लड़ रहे हैं। जेल में कई लोग बंद

यात्रा है। सीखना केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। यह विचार, अनुभव और व्यवहार की निरंतर साधना है। अर्जित ज्ञान को समाज के कल्याण, मानवता के उत्थान और राष्ट्र के निर्माण में लगाना चाहिए। अपने सपने को जीवित रखिए। अपनी आंकाक्षाओं को ऊचाइयों तक ले जाइए। बड़ा सोचिए, सशक्त संकल्प कीजिए और कर्म को अपना धर्म बनाइए। यही सफलता के सूत्र हैं। %निरंतर नई ऊचाइयां छू रहीं छात्राएं% -राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि छात्राएं शिक्षा और अनुसंधान में निरंतर नई ऊचाइयां छू रही हैं। शिक्षा के प्रतिस्पर्धा के दौर में संतुलन की स्थिति बने रहे हैं। छात्र और छात्राओं दोनों को समान अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन प्राप्त हों। यही समाज के संतुलित विकास की पहचान है। सबको समान अवसर और संसाधन मिलते हैं, लेकिन छात्रों से छात्राएं आगे निकल रही हैं। मुझे तो खुशी होगी, क्योंकि महिलाएं आगे बढ़ें, लेकिन छात्रों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ की गई नई पहल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड अपने आप में एक प्रेरक परंपरा का सूत्रपात है। इस सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्ता झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार का चयन सराहनीय है।

अखिलेश यादव बरेली में गरजे,कहा भाजपा वाले भूमाफिया हैं

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बृहस्तपिवार को बरेली पहुंचे। एयरपोर्ट पर सपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने नैनीताल हाईवे स्थित होटल में बहेड़ी के सपा विधायक अताउर रहमान की बेटी के शादी समारोह में शिरकत की। सपा मुखिया ने होटल में प्रेसवार्ता भी की। उन्होंने कहा कि शादी के बहाने बहुत सारे लोगों से मिलने का मौका मिल जाता है। समाजवादी लोग ऐसे समारोह में जाते हैं। स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य किए जाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि योगी जी की जब कुर्सी हिल जाती है तो वह कम्युनल हो जाते हैं। पटना में एयरपोर्ट पर जाते समय उन्होंने मुझसे कहा था कि वह बहुत जल्दी सीएम बनने जा रहे हैं। जब उन्हें लगता है, उनकी कुर्सी हटा दी जाएगी तो उनकी भाषा बदल जाती है। उन्हें इतिहास से कोई लेना देना नहीं है, बस उन्हें डिवीजन करना है। जबकि सपा विजन के साथ जा रही है। दिल्ली ब्लास्ट पर अखिलेश यादव ने कहा कि जो हमारा आजादी का प्रतीक है, वहां पर ब्लास्ट हो जाता है। वहां कितने प्रधानमंत्री ने झंडा फहराया है। वहां ऐसी घटना होगी। शहर में 26 सितंबर हुए बवाल पर कहा कि बरेली में जो कुछ हुआ, वो प्रशासन की नाकामी है। बरेली के डीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां के जिलाधिकारी भाजपा के जिलाध्यक्ष बनकर काम कर रहे थे। जब अधिकारी भाजपा के बन जाएं। आयोग भाजपा का हो जाए तो सोचो लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग भगवान से ऊपर हैं। इकाना स्टेडियम भगवान का नाम है, उसका नाम बदल दिया। कभी मुख्यमंत्री ने एक बिजली का कारखाना लगाया है, किया क्या बिजली महंगी कर दी। गरीब शादी ब्याह कैसे करे। गरीब सोना नहीं खरीद सकता। भाजपा वाले भूमाफिया हैं। सोना और जमीन ले रहे हैं। बुलडोजर संस्कृति गलत शाहजहांपुर जिले में हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर अखिलेश बोले कि बुलडोजर संस्कृति को कोई स्वीकार नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि बुलडोजर संस्कृति नहीं है। इससे समाधान नहीं हो सकता है। बिहार चुनाव पर अखिलेश यादव ने कहा कि हम एग्जिट पोल पर कैसे यकीन करे। बिहार में तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। %लोकसभा चुनाव में अफसरों ने की बेईमानी% अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कई अधिकारी अगर बेईमानी नहीं करते तो परिणाम दूसरा होता। भाजपा की दिल्ली में सरकार नहीं होती। जो जिम्मेदार लोग हैं, वहीं अन्याय करेंगे तो लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि हमारे लोग सीसीटीवी बनकर निगरानी करेंगे। पीडीए प्रहरी बनकर नजर रखेंगे।

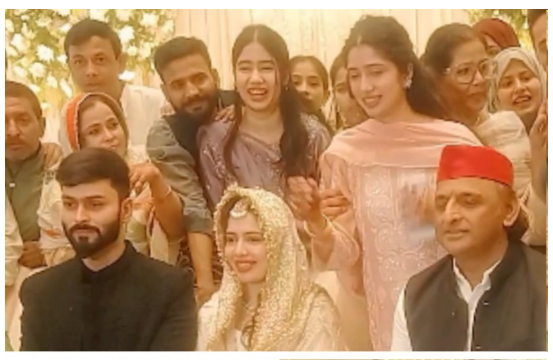

राज्यपाल मंगूभाई पटेल के निर्देशन में मध्यप्रदेश सरकार का अभूतपूर्व निर्णय

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो शिवपुरी, मध्यप्रदेश सरकार ने राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल के निर्देशन में एक ऐतिहासिक और मानवीय निर्णय लेते हुए यह घोषणा की है कि आगामी 15 नवम्बर, राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर आजीवन कारावास की सजा काट रहे 32 बंदियों को समय-पूर्व रिहा किया जाएगा। इनमें 09 बंदी जनजातीय समुदाय से संबंधित हैं। इस संबंध में जेल विभाग मंत्रालय, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 7 नवम्बर 2025 को आदेश जारी किया गया है। यह निर्णय धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में लिया गया है। इसी के साथ मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जहां अब हर वर्ष पाँच अवसरों पर पात्र बंदियों को उनके अच्छे आचरण के आधार पर सजा में छूट और समय-पूर्व रिहाई का लाभ मिलेगा। सरकार ने यह प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 432, 433, 433(क) तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 473, 474 एवं 475 में प्रदत्त शक्तियों के तहत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार के इस ऐतिहासिक कदम ने 15 नवम्बर, राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस को राष्ट्रीय महत्व के दिवसों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। अब यह दिवस स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त), गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), गांधी जयंती (2 अक्टूबर) और डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) जैसे राष्ट्रीय पर्वों के समान महत्व रखेगा। यह दिवस जनजातीय समाज के गौरव, उनके स्वधर्म से स्वराज की भावना और भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय योगदान की स्मृति में मनाया जाता है। इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मध्यप्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के योगदान को समान आदर और सम्मान के साथ स्वीकार करती है। राज्यपाल के इस निर्णय ने पूरे समाज में यह संदेश दिया है कि राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस केवल जनजातीय समुदाय का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज का उत्सव है।

राशनकार्ड फर्जीवाड़ा में छह हजार से अधिक अपात्र ले रहे थे सरकारी खाद्यान्न; 400 पर हुई कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मीरगंज तहसील क्षेत्र में राशनकार्ड फर्जीवाड़ा में गरीबों का राशन ले रहे आखिरकार 400 अपात्रों पर पूर्ति विभाग ने कार्रवाई की है। इन अपात्रों के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। जांच सामने आए थे। इसमें अब काटने की तैयारी है। इसमें कोई आईटीआर (भरता था तो कुछ कार और फतेहगंज पश्चिमी से से राशन कार्ड बनवाकर थे। मीरगंज और फतेहगंज में पूर्ति विभाग ने अपात्रों है। पहले यह प्रक्रिया कस्बों में शुरू हुई। उसके बाद यह प्रक्रिया ग्रामीण क्षेत्रों में भी शुरू हो गई है। इससे अपात्रों में डर है कि उनके नाम काटे जाने के अलावा कहीं कोई अन्य कार्रवाई तो नहीं होगी। पूर्ति निरीक्षक रवि कुमार ने बताया कि राशन कार्डों की जांच की जा रही है। जिन लोगों के पास चारपहिया वाहन है या जो आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करते हैं, उनके कार्ड निरस्तीकरण की सूची में हैं। रिपोर्ट जिला मुख्यालय भेजी जाएगी, जिसके बाद कार्ड आधिकारिक रूप से कार्ड निरस्त किए जाएंगे। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई केवल उन परिवारों पर की जा रही है जो पात्रता मानक से अधिक आय वर्ग में आते हैं। राशन कोटा डीलरों का मोहभंग, पूर्ति व्यवस्था पर असर-सोमवार को डेलपुर गांव के विक्रेता गुलाब सिंह ने भी कोटे की दुकान से त्यागपत्र दे दिया। इससे पूर्व एक अप्रैल को बकैनिया वीरपुर गांव की उचित दर विक्रेता राजकुमारी ने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया। डीलरों का कहना है कि सरकार की ओर से उन्हें 90 पैसे प्रति किलो के हिसाब से मेहनताना दिया जाता है, जो बहुत कम है। मशीन चलाने, मजदूर रखने और वितरण का सारा खर्च उन्हें खुद उठाना पड़ता है। कई डीलरों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि खाद्यान्न पूरा नहीं मिलता, ऊपर से मशीन चलाने और मजदूरी का खर्च भी हमें उठाना पड़ता है। ऐसे में दुकान चलाना घाटे का सौदा बन गया है, इसलिए कई डीलर खुद ही इस्तीफा दे रहे हैं। इस्तीफों से अब राशन वितरण व्यवस्था पर संकट के आसार हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर डीलर दुकानें छोड़ते गए, तो गरीबों को समय पर अनाज मिलना मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि यदि डीलर दुकानें छोड़ते गए और कार्ड भी कट गए, तो अनाज वितरण पूरी तरह ठप हो सकता है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बाल दिवस पूर्व संध्या पर 100 मेधावी छात्र-छात्राऐं हुए सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 80 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय द्वारा आयोजित टैलेन्ट हण्ट परीक्षा में सर्वोच्च 20 स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उन्हें प्रबन्ध समिति के सदस्यो द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. केशव अग्रवाल (चांसलर बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी एवं चेयरमैन रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज बरेली), अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर प्रबन्ध समिति के संस्थापक अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश चन्द्र अग्रवाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति के चैयरमेन सुशील मित्तल, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, मुरारी लाल अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, अजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, वीरेन्द्र स्वरूप अग्रवाल, के.पी. गोयल, डॉ. नुपुर गोयल, सुबोध कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार गोयल, दिनेश कुमार अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, सुधान्शु अग्रवाल, अमित अग्रवाल, आशीष अग्रवाल व प्रबन्ध समिति के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त गणमान्य अतिथियों, मेधावी छात्र/छात्राओं व मीडिया बन्धुओं का अभिनन्दन किया। इसके साथ ही उन्होंने छात्र/छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी साथ ही सफलता के मूलमंत्र सिखाएं एवं कहा कि उन्हें अपने विषय में कुशलता प्राप्त करने के साथ-साथ वर्तमान प्रौद्योगिकी का उपयोग कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता की निरन्तरता बनी रहनी चाहिए तथा उन्होने महाविद्यालय में कार्यान्वित होने वाली आगामी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने इस कार्यक्रम को मेधावी छात्रो द्वारा सफलता की सीढ़ियो पर चढ़ने का मार्ग बताया तथा छात्रवृत्ति वितरण समारोह में सम्मानित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं दी एवं इसे अन्य छात्रो के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। छात्रवृत्ति वितरण के कार्यक्रम में अनुष्का सक्सेना को हीरक पदक के अतरिक्त फिदा हुसैन अंकित कश्यप श्रेयसी रस्तोगी पीयूष एवं प्रियांशी अग्रवाल को उनके विभागों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की गई, योगिता में अनुष्का शर्मा ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर हीरा खान तृतीय स्थान पर खुशनुमा एवं चतुर्थ स्थान पर हम खान रही। आज के छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में सत्र 2025- 26 हेतु नवगठित पीजी फॉर्म के नवनिर्वाचित छात्र सदस्यों को भी शपथ एवं पी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में उज्जवल तिवारी को अध्यक्ष उमंग तिवारी को उपाध्यक्ष अभिषेक आनंद अभिषेक आनंद उमेश गौतम शिवांश मल्होत्रा मोहम्मद अहमद एवं ध्रुव खंडेलवाल सहित 27 सदस्यों को काउंसिल मेंबर के रूप में शपथ दिलाई गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सिटी बसों के लिए चार रूटों पर सर्वे, हर 15-20 मिनट में मिलेगी बस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिटी बस सर्विसेज के तहत संचालित हो रहीं 25 ई-बसों को देहात के रूटों से हटाकर शहरी सीमा में संचालित करने के लिए सर्वे लगभग पूरा हो गया है। अब स्टॉपेज तय करने पर माथापच्ची की जा रही है।

अधिकारियों की कोशिश है कि ऐसे स्टॉपेज तय किए जाएं ताकि बसों के लिए पर्याप्त यात्री मिलें और घाटा न हो। शहरी सीमा में घाटा होने के कारण ही इन बसों का संचालन बरेली-फरीदपुर, बरेली-मनौना धाम, बरेली-शेरगढ़ और बरेली-शीशगढ़ के बीच शुरू किया गया था। बाद में फरीदपुर रूट पर टोल प्लाजा शुरू होने पर यहां संचालन बंद कर दिया गया। पिछले सप्ताह निदेशक नगरीय परिवहन सेवा ने पत्र भेजकर सिटी बसों का संचालन देहात के स्थान पर शहरी सीमा में करने का आदेश दिया था। चार रूटों पर किया गया सर्वे- इसके बाद से ही स्थानीय स्तर पर अधिकारियों ने इसके लिए कवायद शुरू की। सिटी बस सेवा के स्वाले नगर स्थित स्टैंड से ऐसे रूटों की तलाश की जा रही है जहां बसों के लिए भरपूर सवारियां मिलें। चार रूटों पर सर्वे भी किया गया है। सूत्रों ने बताया कि चार रूटों पर किराया 11 से 38 रुपये तक हो सकता है। सिटी बस सर्विसेज के निदेशक दीपक चौधरी ने बताया कि कुछ रूटों पर स्टॉपेज तय होने बाकी हैं। अगले सप्ताह तक बसों का संचालन शहरी सीमा में शुरू करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

18 नवंबर से होगा शुरू केसर चीनी मिल का पेराई सत्र, 27 केंद्रों पर होगी गन्ना खरीद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बहेड़ी स्थित केसर इंटरप्राइजेज चीनी मिल को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई थी, जो बुधवार शाम तक समाप्त हो गई। चीनी मिल 18 नवंबर को पेराई सत्र का शुभारंभ करेगी। 15 नवंबर से सभी गन्ना खरीद केंद्रों पर तौल शुरू होगी। 36 हजार क्विंटल का इंडेंट

चीनी मिल ने गन्ना समिति को जारी कर दिया है। पूजन के बाद वॉयलर को शुरू कर दिया है। चीनी मिल प्रबंधन दोपहर बाद तक जिला प्रशासन से लेकर अपने प्रबंधन तक वार्तालाप करने में जुटा था। शाम 5-30 बजे चीनी मिल के सीईओ शरत मिश्र घोषणा करते हुए बताया कि चीनी मिल अपने पेराई सत्र का शुभारंभ 18 नवंबर की सुबह शुभ मुहूर्त के साथ करेगी। सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव राजीव सेठ ने बताया कि चीनी मिल प्रबंधन ने 36 हजार क्विंटल का इंडेंट जारी कर दिया है। 20 गन्ना खरीद केंद्र इस बार केसर चीनी मिल से छीन लिए गए केसर चीनी मिल ने पिछले पराई सत्र में 47 गन्ना खरीद केंद्रों से गन्ने की खरीद की थी। पिछले पराई सत्र का भुगतान अदा न करने पर किसान लगातार विरोध कर रहे थे। बीते दिनों हुई सहकारी गन्ना समिति की साधारण सभा की बैठक में भुगतान के मुद्दे पर काफी हंगामा भी हुआ था। इसके बाद गन्ना विभाग ने केसर चीनी मिल के 20 गन्ना खरीद केंद्रों को पीलीभीत तथा मीरगंज को आवंटित कर दिए थे। इसके अलावा एक खरीद केंद्र सेमीखेड़ा चीनी मिल को आवंटित किया गया। इस बार केसर चीनी मिल महज 27 गन्ना खरीद केंद्रों और मिल गेट के खरीद केंद्र से ही गन्ने की खरीद कर पाएगा। केसर चीनी मिल के सीईओ शरत मिश्र ने बताया कि अब किसी तरह के संशय की स्थिति नहीं है। मिल चलने के पांच दिन के बाद से भुगतान होना शुरू हो जाएगा। पिछला भुगतान भी दिसंबर तक करने की प्रयास रहेंगे। हम जानते हैं मिल के न चलने से क्षेत्र के किसानों का बहुत बड़ा नुकसान होगा। किसानों ने हमेशा चीनी मिल का साथ दिया है। क्षेत्र के किसानों को केसर परिवार पर बहुत बड़ा भरोसा है जिसे हम भी नहीं तोड़ेंगे।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई महिला, मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया। गुरुवार सुबह लगभग 9:15 बजे न्यूरिया में एक महिला ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतका अलीशा (25 वर्ष) पत्नी राशिद अली, निवासी मोहल्ला खेड़ा कॉलोनी रोड, न्यूरिया, अपने घर के पास रेलवे ट्रैक पार कर कुछ सामान लेने जा रही थीं। इसी दौरान टनकपुर से सिधौली जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 15076) वहाँ से गुजरी और महिला उसकी चपेट में आ गई। मृतका के पति राशिद अली न्यूरिया थाने में पीआरबी-112 वाहन पर तैनात पुलिसकर्मी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी सुबह करीब 8:30 बजे अपनी जुड़वा बेटियों (अलीरा और अजरा, उम्र 5 वर्ष) को स्कूल छोड़कर लौटी थीं। इसके बाद वह कुछ सामान लेने के लिए घर से निकलीं और हादसे का शिकार हो गईं। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी मौके पर पहुँच गए। हादसे के बाद राशिद अली का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, वहीं साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें ढांढस बंधाया। थाना प्रभारी सुभाष मावी ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

♦ मृतक अलीशा का फाइल फोटो

♦ न्यूरिया मे महिला ट्रैन से हुआ हादसा महिला कि मौत के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़

बाराबंकी के टिकैतनगर की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, दो की मौत, तीन गंभीर

बाराबंकी के टिकैतनगर में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट के बाद फैक्टरी से उठे धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दे रहा थाबाराबंकी के टिकैतनगर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर बाद एक पटाखा फैक्टरी में जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई।

विस्फोट के बाद फैक्टरी से उठे धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दे रहा था।सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि फैक्टरी के पास पटाखे बनाने का लाइसेंस था लेकिन प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि अंदर कुछ ऐसी गतिविधि चल रही थी जिससे विस्फोट हुआ। फिलहाल मलबा हटाने और अंदर फंसे लोगों की तलाश का कार्य जारी है।पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। तीन लोगों की हालत गंभीर है उन्हें अस्पताल भेजा गया है। एक बार विस्फोट हुआ तो उसके बाद पटाखे दगते रहे।

चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में 15 जंगली हाथियों का आतंक, किसानों की धान फसल बर्बाद – कई गांवों में दहशत

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर। चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात करीब 15 जंगली हाथियों के झुंड ने कई गांवों में जमकर उत्पात मचाया और एक दर्जन से अधिक किसानों की धान की खड़ी चौपट कर दिया। नवडीहा, मोहरसोप, जुड़वनीया, बसनरा, कछिया, परसा शाहिद सहित आसपास में रहे। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड धान नुकसान कर रहा है, जिससे किसानों की मेहनत कई परिवार पूरी रात खेतों की रखवाली करते आगे कुछ नहीं कर सके। वन विभाग के रेंजर

फसल को बुरी तरह बगझर, कछवारी, के गांव रातभर दहशत के खेतों में घुसकर भारी पर पानी फिर गया है। रहे, लेकिन हाथियों के मेवा लाल पटेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि करीब 15 जंगली हाथी क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, और लगातार किसानों की फसल को नुकसान पहुँचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे कराया जा रहा है और किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही वन विभाग की टीम हाथियों को आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने की लगातार कोशिश कर रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तेजी से कार्रवाई कर हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए, ताकि आगे होने वाले बड़े नुकसान को रोका जा सके।

बिहारपुर में धान तस्करी का बड़ा खुलासा: दो पिकअप जब्त, 120 बोरी धान बरामद – राष्ट्रीय उद्यान बैरियर की व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर/बिहारपुर। बिहारपुर क्षेत्र में धान तस्करी का नेटवर्क लगातार सक्रिय होता जा रहा है। 13 नवंबर 2025 की देर रात लगभग 2 बजे एक बड़ी कार्रवाई में प्रशासन ने दो पिकअप वाहनों को पकड़ा, जिनमें कुल 120 बोरी अवैध धान लोड था। यह प्रवेश करा रहा था। सूचना मिलते ही तहसीलदार बिंदेश्वर प्रजापति क्षेत्र में घेराबंदी की। खैरा रोड से भागते हुए दोनों वाहनों को रोका पूरी कार्रवाई मोहरसोप पुलिस चौकी को सुपुर्द कर दी गई है। के दौरान जो तथ्य सामने आए हैं, वे और भी गंभीर हैं। पता चला है घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र के चेकपोस्ट बैरियर को पार कि पार्क बैरियर पर तैनात विडगार्ड और वनकर्मियों की मिलीभगत है। उद्यान के रेंजर की निगरानी प्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं कि टोक निकल रहा है। चार प्रमुख मार्ग बने धान तस्करी के रास्ते- होती पाई जा रही है। जिन रास्तों से धान तस्करी की पुष्टि हुई है, वे उत्तरप्रदेश से चोपता मार्ग इन सभी मार्गों का उपयोग तस्करों द्वारा लगातार जारी है। तत्काल डिप्टी लगाने की मांग तेज- स्थानीय सभी मार्गों पर पुलिसकर्मी और राजस्व अधिकारियों की डिप्टी राजवाड़े तक पहुँची शिकायत- इस पूरे मामले की शिकायत महिला कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई है। ग्रामीणों का एवं कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अधिकारियों और स्थानीय कर्मियों की मिलीभगत के कारण ही धान तस्करी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। मंत्री बोले अधिकारी कर्मचारी यहां उत्पाद मचा के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में रखें जांच के दौरान अधिकारियों के ऊपर कारवाई भी होगा प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और धान तस्करी के इस नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

धान मध्यप्रदेश के बरगढ़-मकरद्वारी मार्ग से चोरी-छिपे छत्तीसगढ़ में और राजस्व निरीक्षक राम सकल सिंह की टीम ने मोहरसोप जंगल गया और मौके पर ही कब्जे में लिया गया। वाहनों में लोड धान सहित राष्ट्रीय उद्यान बैरियर पर तैनात कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध? जाँच कि दोनों पिकअप वाहन मकरद्वारी-कोल्हूआ मार्ग से होते हुए गुरु कर आए थे। ग्रामीणों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया है के बिना पीरियड क्षेत्र से किसी भी वाहन का निकल पाना संभव नहीं लगाए गए बैरियर के बावजूद अवैध धान बड़े वाहनों में कैसे बेरोक- बिहारपुर क्षेत्र में इन दिनों विभिन्न राज्यों से भारी मात्रा में धान की एंट्री इस प्रकार हैं- मध्यप्रदेश से नवा टोला मार्ग मकरद्वारी मार्ग सपहा मार्ग बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, और रात के समय धान की एंट्री ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की ओर से मांग की जा रही है कि इन तुरंत लगाई जाए, ताकि तस्करी पर रोक लग सके। मंत्री लक्ष्मी एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को भी ग्रामीणों और क्षेत्रीय

ईओ और चेयरमैन दीमक की तरह चाट रहे हैं नगर विकास को मिली शासकीय धनराशि

भाजपा सरकार में दो साल में इतनी बड़ी नगर पंचायत के लिए मंहगाई जो पानी के फ्रीजर दो वर्ष पूर्व में लगभग ढाई लाख में लगे अव फ्रीजर लगे लगभग साढ़े पांच लाख.

क्यूँ न लिखूँ सच/ न्यूरिया पीलीभीत। नगर पंचायत न्यूरिया हुसैनपुर में अजब ही तरह का फर्जीवाड़ा करके शासकीय धन की लूट को अंजाम दिया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी हरिपाल गंगवार की पोस्टिंग से पूर्व भी गड़बड़झाला हुआ. लेकिन हरिपाल गंगवार ने अपने कार्यकाल में तो फर्जीबाडे की हद पार करके दोनों हांथों से जमकर लूट खसोट करने में महारथ हांसिल कर ली है. लेकिन इनसे बड़ी मिसाल कायम तो फर्जी कार्यों का मेजरमेंट करने निकाय तो सिर्फ कागजी पेट भरने से ही संतुष्ट हो जाते शासकीय धन की लूट-खसोट करने का अड्डा बन गई का दुरुपयोग हुआ तो हरिपाल गंगवार ने अधिशासी शासकीय धन की लूट करने का जरिया बना लिया। बता 2010 तक नगर अध्यक्ष रहे। मुख्तयार अहमद की मृत्यु 2012 के चुनाव के बाद वर्ष 2017 तक हिलाल अहमद वर्ष 2017 के चुनाव में अब्दुल फय्यूम की पत्नी माजदा में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए लाखों रुपये खर्च किये गारंटी होती है, तो फिर हर साल लाइटों पर खर्च दर्शायी बडे स्तर पर हुआ है। नगर पंचायत कार्यालय में मौजूद शासकीय धन की लूट की जा रही है नगर पंचायत में

बाले संबंधित अवर अभियंता कर रहे है। प्रभारी अधिकारी नगर हैं। विदित हो कि नगर पंचायत न्यूरिया हुसैनपुर इन दिनों फर्जीवाड़ा.और है। अधिशासी अधिकारी अजीत कुमार बागी के दौरान शासकीय धन अधिकारी की कुर्सी पर आसीन होने के बाद नगर पंचायत को दें कि 2006 में नगरीय चुनाव जीतने के बाद मुख्तयार अहमद बर्ष होने के बाद जनता ने शेष कार्यकाल अब्दुल फय्यूम को दिया। वर्ष चेयरमैन रहे। इस दौरान नगर में जमकर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी। बेगम चेयरमैन बनी। माजदा वगम के कार्यकाल में भी भी बड़ी संख्या जा चुके हैं। सड़कों पर लगी प्रत्येक लाइट की निर्धारित समय के लिए गई धनराशि यह स्पष्ट कर रही है कि नगर पंचायत में स्ट्रीट घोटाला वाहनों में ईंधन का खर्च भी दस गुना अधिक दर्शाकर फर्जीबाड़ा कर छोटे बड़े नाले नालियों की सफाई के नाम पर लाखों रुपए का गबन किया जा चुका है इसके अलावा क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत कराकर नव निर्माण की लागत का गहन किया जाना बदस्तूर जारी है सड़क और नए निर्माण पूरी तरह से बंद है पांचवाँ वित्त आयोग और 15वां वित्त आयोग की धनराशि में ईओ हरिपाल गंगवार और नगर पंचायत चेयरमैन द्वारा मिलकर सेंधमारी की जा रही है कीटनाशिक दवाओं साफ सफाई और फागिंग के नाम पर दीमक की तरह शासकीय धनराशि को चट किया जा रहा है सूत्रों की माने तो नगर पंचायत न्यूरिया हुसैनपुर के अधिशासी अधिकारी की उदासीन्ता के चलते न्यूरिया के सभी बारात घर शोपीस बने हुए है ईओ की उदासीनता के चलते जच्चा-बच्चा केंद्र सहित बारात घर का निकास चारो तरफ से बंद कर दिया गया है, जिसके चलते इन बिल्डिंगों के उद्देश्यों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। सूत्रों की माने तो बारातघर को अधिशासी अधिकारी और नगर अध्यक्ष के चहेते अपने निजी प्रयोग में ले रहे हैं। नगर पंचायत न्यूरिया हुसैनपुर के अधिशासी अधिकारी हरिपाल गंगवार मुख्यमंत्री के आदेश को भी नहीं मानते हैँ सूबे के मुखिया का सख्त आदेश है की सभी विभागों के प्रभारी अपनी अपनी तैनाती की जगह ही निवास करेंगे परन्तु ईओ हरिपाल गंगवार के लिए यह आदेश कोई मायने नहीं रखता है और वह हमेशा की तरह आज भी न्यूरिया नगर पंचायत में प्रस्थान नहीं करते हैँ , नगर पंचायत चेयरमैन रेहाना बेगम को नगर पंचायत के बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि वह मजबूरी में बोर्ड की मीटिंग में भाग लेती हैँ उसके बाद वह नगर पंचायत कार्यालय में आना पसन्द नहीं करती हैँ या कोई उनकी मजबूरी है जिसको वह जाहिर करना नहीं चाहती है फिलहाल नगर पंचायत में बोर्ड की लगभग 15 मीटिंग हो चुकी हैँ और सभी मीटिंगों में दर्जनों प्रस्ताव पास होते हैं परन्तु न्यूरिया का विकास शून्य है हाँ चेयरमैन और ईओ का विकास जारी है फिलहाल इन दिनों न्यूरिया हुसैनपुर नगर पंचायत कार्यालय विकास का नहीं बल्कि. फर्जीवाड़ा और शासकीय धन को गबन करने का अड्डा बन गया है

संक्षिप्त समाचार

पुराने विवाद पर दो पक्षों में भिड़ंत: दो लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिले के इकौना थाना क्षेत्र के अहिरन पतेढा गांव में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे चलने से दोनों पक्षों के दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान अरुण प्रताप पुत्र प्रभुराम और शोभाराम पुत्र तुलाराम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

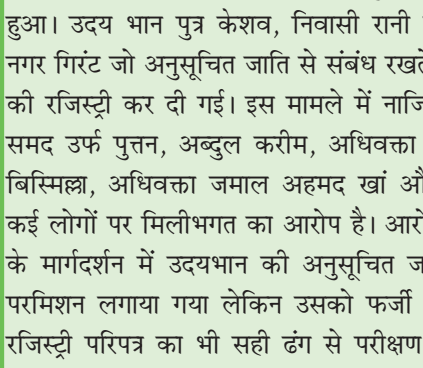

अनुसूचित जाति की भूमि की अवैध रजिस्ट्री

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / अनुसूचित जाति के व्यक्ति की भूमि की अवैध रजिस्ट्री का मामला सामने आया है। आरोप है कि उपनिबंधक और कछ अधिवक्ताओं ने मिलीभगत कर यह रजिस्ट्री की। इस मामले का खुलासा कुछ दिनों पहले हुआ। उदय भान पुत्र केशव, निवासी रानी सीर, थाना हरदत्त नगर गिरंट जो अनुसूचित जाति से संबंध रखते है, उनकी जमीन की रजिस्ट्री कर दी गई। इस मामले में नाजिमा बेगम, अब्दुल समद उर्फ पुत्तन, अब्दुल करीम, अधिवक्ता बड़े लाल यादव, बिस्मिल्ला, अधिवक्ता जमाल अहमद खां और मुंशरीफ सहित कई लोगों पर मिलीभगत का आरोप है। आरोप है कि रजिस्ट्रार के मार्गदर्शन में उदयभान की अनुसूचित जाति की भूमि का परमिशन लगाया गया लेकिन उसको फर्जी बताया जा रहा है रजिस्ट्री परिपत्र का भी सही ढंग से परीक्षण नहीं किया गया। इसके बाद सक्षम अधिकारी द्वारा इस भूमि का दाखिल खारिज भी कर दिया गया था। प्रकरण का खुलासा होने पर रजिस्ट्रार ने अपने बचाव में संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच अधिकारी द्वारा मामले की पड़ताल की जा रही है।

न्यू मॉर्डन बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जमुनहा तहसील में न्यू मार्डन बार एशोसिएशन तहसील जमुनहा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें तहसील जमुनहा के अधिवक्ता संघ समारोह के मुख्य अतिथि मधुलिका यादव पूर्व उपाध्यक्ष बार कौसिल उपस्थित रहे। वहीं एल्डर कमेटी के अध्यक्ष मो. कल्यान पुरी व सुरेश कुमार तिवारी, सतीश कुमार मोर्य, महामन्त्री, अशोक सिंह पूर्व अध्यक्ष, एसडीएम संजय राय, एसडीएम न्यायिक संजय कुमार, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप वर्मा ने सभा का संचालन किया। अजय कुमार पांडेय पूर्व अध्यक्ष, हरीश कुमार यादव पूर्व महामन्त्री, सत्य नारायन यादव अधिवक्ता संघ अध्यक्ष के पद पर नव निर्वाचित हुए जबकि तहसील जमुनहा के दो बार अध्यक्ष रह चुके है, जितेंद्र कुमार भारती महामन्त्री, राम कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्य, प्रहलाद यादव कोषाध्यक्ष आदि लोगो को शपथ ग्रहण कराया गया। इस मौके पर विकास कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव, पवन कुमार, सीताराम यादव, नरेंद्र वर्मा, दिनेश कमार वर्मा व अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

नदीगांव पुलिस ने पच्चीस हजार रूपये की इनामी अपराधी को अरेस्ट किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिल गई है जिसमें पुलिस ने एक अपराधी जिस पर पच्चीस हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था आज वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया है मिली जान कारी में आज कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत चौहान दीवान उदय सिंह यादव दीवान अंकित मलिक सिपाही देवेश कुमार चालक प्रताप सिंह आदि की टीम अपराधियों के खिलाफ कार्य वाही चेकिंग कर रही थी तभी पुलिस टीम को आज समय दस बजे के करीबन घिल्हौर मोड से दो दो मीटर घिल्हौर गांव की तरफ जाने वाले रस्ते से गिरफ्तार किया है पकड़े गए अपराधी

बृजेंद्र दोहरे पुत्र माता प्रसाद निवासी ग्राम मुहम्दपुरा थाना नदीगांव है जिस पर थाने पर धारा 376 506 और 3/4 पास्को एक्ट में मुकदमा दर्ज है जो काफी समय से फरार चल रहा था और जिस पर गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किये जा रहे थे पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा इस पर पच्चीस हजार रूपये का इनाम भी घोषित किया गया था पुलिस ने उसके कब्जे एक मोबाइल फोन ओर एक सो सत्तर रुपए नगद बरामद किये है पुलिस के मुताबिक इस इमामी अपराधी बृजेंद्र के आपराधिक इतिहास के बारे में आस पास के थानों से जानकारी की जा रही है

मासूम की दर्दनाक मौत : ओवरलोड ट्रैक्टर ने ली डेढ़ साल के बच्चे की जान, चालक फरार

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। ठाढ़पाथर निवासी अजय साहू अपने परिवार के साथ खेत में धान की ढुलाई करा रहा था। घर ले जाने के लिए ट्रैक्टर मंगवाया था। दौरान अजय साहू ने मासूम बेटे को पास समझकर सुला दिया क्षणों बाद लापरवाही ने उस मासूम की लिए छीन ली। अनुसार ट्रैक्टर धान को ओवरलोड रहा था। धान से अटे से निकालते समय अनियंत्रित हो गया। खोते ही ट्रैक्टर सीधे बढ़ गया जहां मासूम बच्चा सो रहा था। देखते ही देखते ट्रैक्टर ने बच्चे को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि परिवार के लोग चीख पड़ें और पूरा खेत मातम में बदल गया। हादसे के बाद आरोपी चालक विक्रम पांडे ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना चांदनी थाना पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, स्थिति का जायजा लिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में धान ढुलाई के दौरान ओवरलोडिंग का चलन आम हो गया है, जिस पर किसी तरह की रोक-टोक नहीं होती। लापरवाही और अवैध ओवरलोडिंग के कारण आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, लेकिन निगरानी की कमी के कारण हालात नहीं सुधर रहे हैं। मासूम की इस दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई और ऐसे वाहनों की नियमित जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे दोबारा न हों।

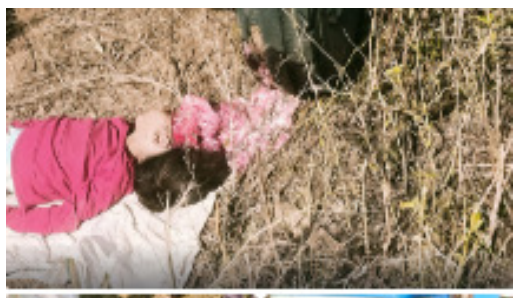

कट चुके धान को उसने किराए पर खेत में काम के अपने डेढ़ साल के ही सुरक्षित जगह था, लेकिन कुछ ही और ओवरलोडिंग जिंदगी हमेशा के प्रत्यक्षदर्शियों के चालक विक्रम पांडे कर ट्रैक्टर में भर पड़े ट्रैली को खेत ट्रैक्टर अचानक चालक के नियंत्रण उस स्थान की ओर

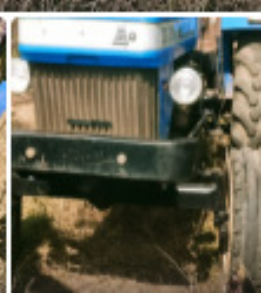

बिहारपुर में आंगनबाड़ी केंद्रों को मिली सौगात, 20 वजन मशीनों का वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच/ ओडगी को बिहारपुर क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, जिला सूरजपुर के कलेक्टर यस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ, तथा भैयाथान एसडीएम श्रीमती चांदनी कंवर की उपस्थिति में क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों की सहायिकाओं को 20 नग वजन मशीनें प्रदान की गईं। यह उपकरण प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कोल माइंस भास्करपारा के

सीएसआर मद के तहत वितरित किए गए, जिसका उद्देश्य बच्चों और गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाना है। वजन मशीन मिलने से आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य मूल्यांकन की प्रक्रिया मजबूत होगी और कुपोषण रोकथाम अभियान को गति मिलेगी। कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि नई मशीनें सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने का कारगर माध्यम साबित होंगी। साथ ही आंगनबाड़ी सहायिकाओं ने इस सहयोग के लिए कंपनी और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो चोर ई रिक्शा की चार बैटरी के साथ गिरफ्तार, सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को लेकर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लग गई है और सुरई चौकी प्रभारी सत्यपाल सिंह को दो चोर मय बैटरी के साथ गिरफ्तार किये है मिली जानकारी में आज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह के निर्देश पर सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह दीवान अवनीश कुमार सिपाही अजय कुमार को मुखबिर को सूचना पर दो चोर पकड़ लिये पकड़े गए चोरों में अभिषेक उर्फ मुक्कू पुत्र बाल केश निवासी कांशीराम कालोनी कोंच और विशाल बाल्मिकी पुत्र स्व महेश निवासी कांशीराम कालोनी कोंच है जिनके कब्जे से पुलिस को चार अदद ई रिक्शा की बैटरी बरामद की गई है जो ई रिक्शा से चोरी की गई थी पुलिस के मुताबिक बीते दिन कोतवाली में आलोक नामदेव पुत्र धनेश कुमार निवासी कांशीराम कालोनी कोंच और चेतु पुत्र राकेश नामदेव निवासी। कांशीराम कालोनी कोंच की ई रिक्शा की दो दो बैटरी चोरी हो गई थी जिसकी मुकदमा कोतवाली में दर्ज है आज दोनों चोरों पर पुलिस ने मुकदमा धारा 303(2) और 317(2) बीएनएस में दर्ज कर चालान कर दिया है सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि यह चोरी की घटना का जल्द खुलासा हो गया और चोर भी पकड़ में आ गये पुलिस की इस अच्छे कार्य की नगर में प्रशंसा की जा रही है

इकौना बाईपास हादसे का खुलासा:सीसीटीवी फुटेज से पकड़ा गया ट्रक, चालक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती इकौना नेशनल हाईवे बाईपास पर हुए सड़क हादसे का पुलिस ने खुलासा दुर्घटना में तीन युवक जिनमें से एक की पुलिस ने सीसीटीवी से दुर्घटना करने वाले चालक को तीन गिरफ्तार कर लिया है। अक्टूबर की सुबह हुई थी। बहराइच विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र भलूहिया निवासी

कर दिया है। इस घायल हुए थे, मौत हो गई थी। फुटेज की मदद ट्रक और उसके सप्ताह बाद यह घटना 17 करीब 5ः30 बजे जिले के के ग्राम बुढनी सूरज पासवान (17), आकाश पासवान (16) और उनके मौसेरे भाई प्रिंस (14) इकौना नेशनल हाईवे बाईपास पर दौड़ लगा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने ओवरटेक करते हुए तीनों युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने 16 वर्षीय आकाश पासवान को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल सूरज को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बहराइच रेफर किया गया, जबकि प्रिंस को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। परिजनों की तहरीर पर इकौना थाने में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना अधिकारी विशाल यादव ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए लगातार प्रयास किए। तीन सप्ताह की जांच के बाद पुलिस ने ट्रक व चालक को गिरफ्तार कर लिया।

शासन एवं प्रशासन लोगों के घर पहुंचकर कर रही है उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास: मंत्री श्रीमती रजवाड़े

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनसमस्या निवारण शिविर का ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ, प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाएगा निराकरण समस्या समाधान शिविर का किया गया आयोजन, 971 आवेदन प्राप्त सूरजपुर - जिले के ओड़गी जनपद अंतर्गत बिहारपुर के शासकीय महाविद्यालय ग्राउन्ड में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में किया गया। आयोजित शिविर में मंत्री श्रीमती राजवाड़े एवं कलेक्टर श्री एस

जयवर्धन द्वारा लोगों से संवाद कर उनके समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। शिविर में जिलाधिकारियों द्वारा अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इस दौरान शिकायतों एवं समस्याओं को लेकर 971 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी लोगों से शिविर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों सहित जिला पंचायत सीईओ और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।_ आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज आपके गांव में शासन के साथ पूरा प्रशासन तंत्र आपके समस्याओं के निराकरण के लिए उपस्थित हुआ है। शासन एवं प्रशासन लगातार प्रयास कर रही है कि वह आप लोगों के घर तक पहुंच कर आपकी सभी समस्याओं का समाधान कर सके। उन्होंने सभी ग्राम वासियों से अपील करते हुए अपने समस्याओं को उपस्थित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के समक्ष रखने को कहा। उन्होंने कहा कि आप सभी ज्यादा से ज्यादा शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। आपको जिस भी योजना के बारे में जानकारी लेनी है और योजना का लाभ लेना है या शिकायत करनी है उस संबंध में अपने अधिकारी को अवगत कराएं _। उन्होंने शिविर में आए लोगों से कहा कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से देखते हुए उनके त्वरित निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन आवेदनों पर कार्यवाही की स्पष्ट स्थिति जानने के लिए पंजीयन क्रमांक के द्वारा कलेक्टर के जनदर्शन पोर्टल पर आवेदन की स्थिति को ट्रैक किया जा सकता है। साथ ही बताया कि इन समस्याओं के निराकरण पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों द्वारा चर्चा भी की जाती है। उन्होंने सभी हितग्राहियों से अपनी शिकायत या किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की स्थिति को लेकर अपना पंजीयन करने के लिए कहा। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत सामग्रियों का वितरण किया गया। उन्होंने श्रवण यंत्र, वाकिंग स्टीक का वितरण किया साथ ही विभिन्न आंगनबाडियों में बच्चों के वजन के लिए मशीन का वितरण किया।

संक्षिप्त समाचार

रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष की समीक्षा बैठक में 20 प्रकरण निस्तारित, शेष पर जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा / एक माह में सभी लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी जिलाधिकारी

राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा बैठक कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित कुल 160 लंबित प्रकरणों में से 20 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष प्रकरणों का निस्तारण इसी माह में हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने नोडल पुलिस विभाग एवं नोडल स्वास्थ्य विभाग को लंबित मामलों में अपेक्षित कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि दोनों विभागों के बीच सतत समन्वय बनाते हुए प्रत्येक सप्ताह प्रगति की समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि एक माह के भीतर सभी मामलों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित हो सके।जिलाधिकारी ने कहा कि महिला एवं बाल सम्मान कोष से जुड़े प्रकरण अत्यंत संवेदनशील हैं, अत: इनकी सुनवाई और निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को शीघ्र न्याय और सहायता उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, प्रभारी प्रोबेशन अधिकारी निशान्त पाण्डेय आदि अधिकारी मौजूद रहे।

11 सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन मंडी में आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज स्थानीय गल्ला मंडी में वीरेंद्र व्योम सोशल एंड एजुकेशन ट्रस्ट के सानिध्य में ग्यारह सर्व जातीय सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में आयोजक संरक्षक प्रभंजन अग्रवाल निर्भय प्रकाश रेजा और विनय त्रिपाठी और संयोजक आकाश नामदेव समथर ने अतिथि विधायक मूलचंद्र निरंजन अध्यक्ष अंजू अग्रवाल आदि का स्वागत किया इस कार्यक्रम में भाजपा नेता ऋषि अग्रवाल ने सभी जोड़ों को एक बढ़िया गिफ्ट भेंट में प्रदान किया है और उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से अनावश्यक खर्चे पर रोक लगती है उन्होंने कहा कि वैसे भी हम इस तरह सामूहिक विवाह सम्मेलन में अपने विवेक से जोड़ो को जो बनता है वो देते है और प्रयास रहता है कि सभी को इस तरह का गिफ्ट मिले भाजपा नेता प्रभंजन अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से गरीब लोगों को लाभ मिलता है और शादी में बेकार का व्यय बचता है इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष दीपक गर्ग बेटू शिव सिंह कुशवाहा धीरेन्द्र निरंजन महेंद्र अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद थे शादी सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था में मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार सिपाही अभिषेक पाल सिपाही भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद थे शादी सम्मेलन शांति के साथ सम्पन्न हो गया है

निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर महन्त नगर बजरिया में वार्षिक निरीक्षण पर पधारे सरस्वती शिशु मंदिर मऊरानीपुर में प्रधानाचार्य के पद पर आसीन चिंता मणि त्रिपाठी एवं इसी शिशु मंदिर में कार्यरत

वरिष्ठ आचार्य मथुरा प्रसाद तिवारी का आज रेजा विला में आगमन पर पट्टिका उड़ाकर एवं अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत सम्मान करते हुए स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के डायरेक्टर एवं सरस्वती शिशु मंदिर में प्रबंध कार्य कारिणी में सदस्य के रूप में कार्यरत इंजीनियर राजीव कुमार रेजा इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य श्री विविध श्रीवास्तव जी का भी पट्टिका उड़कर सम्मान किया गया

Children will not fall ill in winter, a doctor from Sir Ganga Ram Hospital shared preventative measures.

Children's health becomes more challenging during the winter months. Children with weakened immune systems are especially at risk of infection. A child specialist shared some important tips on how to care for them. Children increases the risk of illnesses ranging Taking certain precautions can help experience some common health issues, problems. It's crucial to be vigilant Sir Ganga Ram Hospital, Delhi) shared rapidly due to low humidity and active during these times. Special care a cold or cough. Respiratory Problems: during the winter. If children between breathing problems, a doctor should be of RSV bronchiolitis. Such children vigilant about these symptoms: when breathing, difficulty eating and Pneumonia is a very serious problem in weakened immunity are especially at gradually worsens. Therefore, if appetite, chills, rapid breathing, or Learn some important precautions:

tend to fall ill more easily during winter. This season from the common cold to the flu and pneumonia. keep children safe. As winter begins, children such as allergies, flu, colds, and respiratory about these issues. Dr. Dhiren Gupta (Pediatrician, some important information. Infections spread dryness in the air. Flu-causing viruses become more must be taken to ensure that children do not catch Some children experience difficulty breathing the ages of newborn and 12 years are experiencing consulted immediately. Young children are at risk may need medication along with a nebulizer. Be worsening cough, wheezing or whistling sounds drinking, etc. Protect your child from pneumonia - children up to five years of age. Children with higher risk. It begins with a cough and cold, and children experience cough, stomach pain, loss of difficulty breathing, they should consult a doctor. Wash your child's hands and mouth thoroughly after returning from outside. To increase immunity, give nutritious food to children and let them get enough sleep. Make children wear masks and try to keep them away from infected persons. Feed them fruits and vegetables rich in Vitamin C, Zinc and antioxidants. Get them vaccinated against flu and pneumococcal. Keep the nose clean with saline drops. Understand the causes of the problem. Due to cold air, the nose and throat of children dry up quickly. Hence, germs enter easily. Due to less sunlight, the immunity power decreases. The respiratory tract gets blocked due to pollution and smog.

Taking pre-diabetes lightly can be costly. An AIIMS doctor explains how to deal with it.

Even if your blood sugar level isn't in the diabetic range, but it's higher than normal, you're at a stage where even the slightest carelessness can become a problem. Learn from Dr. Rajesh Khadgawat (Professor, Endocrinology, AIIMS, New Diabetes Day is celebrated on November 14th. 70 lead to heart, kidney, and nerve problems. Diabetes their 40th birthday are now becoming victims of type resistance are under 20 years of age. This is the class The biggest reasons for this problem in children are sleep, and lack of time for exercise. We must prediabetes. Most people take it lightly. This disease, eyes can be seriously affected. Don't underestimate weight loss even after a healthy diet. Going to the gym

Delhi) about how to be cautious and preventative at this stage of pre-diabetes. World percent of pre-diabetics may develop type 2 diabetes. If not properly managed, it can is spreading rapidly in India. Even those in the country who haven't even celebrated 2 diabetes. Numerous cases are emerging where patients struggling with insulin that will contribute significantly to the country's productivity and economy in the future. their increased consumption of food from outside, increased screen time, inadequate understand that controlling diabetes is not impossible if we become vigilant even after like a "silent killer," gradually weakens the body. Vital organs like the kidneys and these symptoms: excessive thirst, frequent urination, increased hunger, constant fatigue, alone is not enough. The more weight you gain, the more resistant your muscles and cells become to the hormone insulin. Therefore, if you think of controlling your weight by going to the gym, this thinking is wrong. To avoid this, examine your current routine and determine what needs to be changed. Try returning to a healthy diet. If you don't have time to sweat it out at the gym, you can try jumping rope, dancing, or doing other chores at home, such as handwashing or mopping. In short, exercise in proportion to your calorie intake and try to stay active. Can diabetes be reversed? You can't completely eliminate or reverse diabetes with medication or diet control. It's impossible to simply control your diet for a while, exercise for a while, and stay active. It's better to make a consistent effort to keep your blood sugar under control. A healthy diet and a good routine can help your pancreas function properly; this should be your goal. Which is better, sugar, honey, or jaggery? Most people think that if they crave sweets, they can eat sugar-free sweets. This way, you avoid sugar, but it doesn't prevent the harmful effects of the fat present in them. Similarly, there's a misconception that sugar, honey, or jaggery are better than sugar, but they are all different. If you work hard enough, calories are easily utilized in the form of sugar or glucose. Being inactive causes it to accumulate in the body, increasing the risk of insulin resistance. Strive for three things: Physical activity: At least 150 minutes of moderate-to-intense aerobic exercise per week, along with strength training two to three times a day. This improves insulin sensitivity and reduces harmful visceral fat. Dietary modifications: Increase your intake of fiber-rich foods, whole grains, vegetables, fruits, nuts, and seeds, and avoid sugar, processed foods, and saturated fat. Sleep and stress management: Adequate sleep and stress-free living maintain glucose balance and metabolic health. Develop a plan to combat pre-diabetes: Eat a protein-rich breakfast within half an hour of waking up. Eating protein early in the day helps maintain blood sugar levels, preventing hunger pangs. Take a 10-minute walk after meals to control the rapid post-meal sugar spike. Consistency is key to achieving benefits. Establish a routine: Start your meal with fiber-rich vegetables, then protein, and finally carbohydrates. This helps maintain energy. Eat high-fiber grains - Instead of white rice, bread, and refined flour, opt for brown rice, quinoa, oats, or millet, which are rich in fiber and help control blood sugar. Eat three hours before bed - Eating immediately before bed can cause a rapid increase in blood sugar, so dinner should be eaten three hours before bedtime. Keep these things in mind: Limiting fried and spicy foods will make it easier to control fat, otherwise insulin resistance will increase. For diabetes management, a healthy diet and consistent exercise routine are more important than medication. Include fruits in your diet. Fruits like apples, papayas, pears, oranges, and guavas are rich in fiber. If you are overweight, losing five to ten percent of your weight can help keep diabetes at bay. Make your meal rainbow-colored, with foods of different colors. Avoid canned, preserved, and ready-to-eat foods. Include whole grains and vegetables in your diet. Don't compromise on sleep. Pay attention to sleep hygiene. Consult a doctor if you experience significant problems.

Even those who think they're fit are at risk for pneumonia, a doctor explains in 6 points.

Pneumonia is a serious lung infection. Its main symptoms, such as high fever, cough, and shortness of breath, are often apparent. However, sometimes there are "silent" or hidden causes that we don't notice. Doctors say that ignoring these can make the disease more serious. World Pneumonia Day is celebrated every year on November 12th. Weak immunity multiplies the risk of this disease. Some risk factors for pneumonia are often overlooked, thinking them to be minor. Pneumonia is a lung infection that can affect people of any age. People often think of it as a problem only for the elderly, children, or those suffering from serious illnesses, but the truth is that even seemingly healthy people can become victims. Yes, sometimes some overlooked habits weaken our lungs and open the way for infection. On World Pneumonia Day, being celebrated on November 12th, let's learn from Dr. Praveen Kumar Pandey (Senior Director, Pulmonology, Max Super Speciality Hospital, Patparganj) some hidden factors that can unknowingly increase the risk of pneumonia. Lack of sleep and stress: When the body doesn't get enough rest, the immune system begins to weaken. Lack of sleep reduces the production of white blood cells, which fight infection. Chronic stress also has a similar effect on the body—an increase in the hormone cortisol suppresses the immune system.

This is why people who sleep less than six hours a day or are constantly stressed are more likely to develop respiratory infections, such as pneumonia. Excessive alcohol consumption: Excessive alcohol consumption weakens many of the body's natural defense mechanisms. It damages the fine hair-like structures in the lungs that work to expel dust and bacteria. Alcohol also suppresses the cough reflex, making it easier for bacteria to accumulate in the lungs. Additionally, chronic alcohol abusers also experience nutritional deficiencies, which reduces their ability to fight infection. Acid Reflux - Acid reflux, or gastroesophageal reflux disease (GERD), isn't just a burning sensation or sour belching. When stomach acid or food regurgitates, tiny particles can reach the lungs. These particles also carry bacteria, which can cause inflammation or infection in the lungs. This risk can be significantly reduced by eating right, taking medications, and adopting a proper sleeping position. Neglecting Oral Hygiene - Did you know that poor oral hygiene, such as dirt on teeth and gums, can also pose a threat to the lungs? When we don't brush or rinse regularly, bacteria in the mouth can be inhaled. This is especially dangerous for those with pre-existing lung conditions or a weakened immune system. Therefore, brushing twice a day, getting regular dental checkups, and maintaining good oral hygiene are crucial. Indoor pollution and secondhand smoke - Even if you don't smoke, living in an environment with cigarette smoke, kitchen smoke, or other pollutants can have an impact on the lungs. People living in homes that cook with wood or coal, or in rooms without proper ventilation, are at higher risk of pneumonia. Clean air, proper ventilation, and a pollution-free environment are essential for lung protection. Effect of certain medications - Sometimes, certain prescription medications can inadvertently increase the risk of pneumonia, such as acid reflux medications, steroids, or immune suppressants. These medications disrupt the body's natural bacterial balance or weaken the immune system, making the lungs more susceptible to infection. How to prevent it: Get adequate sleep and practice yoga, meditation, or walking to reduce stress. If you have acid reflux, seek treatment as advised by your doctor. Brush your teeth twice a day and schedule regular checkups with your dentist. Limit or completely eliminate alcohol consumption. Take steps to reduce indoor smoke and pollution. Do not take any medication without consulting a doctor. Preventing pneumonia depends not only on the season or age, but also on our daily habits and lifestyle. A little caution and correct information can protect us from this serious disease. Remember that taking care of your lungs means living a long and healthy life.

Beware! The climax of this crime thriller will blow your mind; this suspense-filled movie is trending on OTT platforms.

Viewers have no shortage of content on OTT platforms. They can find films of any genre they desire. This week, one such film is trending on OTT platforms. Its powerful climax will blow your mind. This movie won't leave you bored even for a minute. What's the story of the movie? Let's find out: This suspense-filled movie will blow your mind - IMDB also gave the film a rating of 8.5 - This movie is trending on this OTT platform. Audiences love suspense-filled films. Thanks to OTT, fans no longer have to wait weeks for their favorite films to be released in theaters. Currently, one such crime thriller is making waves on OTT. The suspense in this South Indian film is so intense that you won't be able to leave your seat for 2 hours and 19 minutes. Which is the number one OTT movie currently, and on which platform can you watch it? Read the full details below: What is the story of this suspenseful movie? The story of this movie is about an uncle and his niece, who, after the death of his elder brother, takes on the responsibility of his sister-in- law and daughter. He is a government officer, but his life is dedicated to his niece. He upsets his girlfriend, but refuses to let his "Sundari" leave school alone. One day, Iswaran, a resident of Palani, Tamil Nadu, and his niece, Poorni, plan to go deer-watching in the forest, but change their minds after seeing her uncle outside the school. The next day, when "Sundari" meets Poorni at school, he notices a change in her, which Sundari tells her uncle about. Iswaran leaves his niece standing outside the school and takes Poorni on his bike. Terrified by the rape, Poorni is afraid to touch her uncle's friend, and someone captures a video of them, placing the entire blame squarely on Iswaran. Meanwhile, after the video evidence, Iswaran's sister-in-law begins to distance herself from her daughter, Sundari, and one day, she personally drops her off at school. The following evening, the girl leaves school alone and is abducted on the way. It's this very person who spreads fear throughout Palani. To find out who is behind the girl's disappearance and how the two rapists are different, you'll have to watch this film. Which OTT platform can you watch the movie on? This trending OTT movie is titled Chiththa, a Tamil word. The movie beautifully depicts the lengths an uncle will go to for his niece. The movie also stars Siddharth, Nimisha Sajayan, and Anjali Nair in lead roles. You can watch the film on JioHotstar. IMDb also gave the movie a rating of 8.5 out of 10.

Tulsi's daughter 'Pari' has fallen in love with her onscreen brother, saying, "We saw it on the show..."

People have already been shocked by the constant twists in 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2', but now 'Pari' has shocked even her real fans. She recently revealed that she is dating her onscreen brother. 'Pari' has fallen in love with her onscreen brother and is setting Tulsi and Mihir's relationship on fire - Shagun Sharma confessed her love to this actor. If there's one biggest problem for Tulsi right now in 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2', it's her daughter 'Pari'. Pari is using every trick in the book to marry Ranvijay and break up Tulsi and Mihir's relationship. 'Pari', aka Shagun Sharma, who fought to get engaged to Ranvijay onscreen, has fallen in love with her own onscreen brother. We're not saying this, but Shagun Sharma herself has openly expressed her love. Read the details below about the actress's relationship with her onscreen brother: Which brother is 'Pari' dating in real life? Pari recently revealed details about her love life in an exclusive interview with Hotterfly. She openly talked about her bond with her onscreen brother Hrithik, aka Aman Gandhi, on Ekta Kapoor's show and confirmed that the two are dating. Rumors of Shagun and Aman dating have been circulating on social media for some time now, and Pari confirmed this, saying, "These are not rumors, it's true." Shagun and Aman have been in a relationship since before they appeared on the show. Shagun Sharma further revealed in the interview that they didn't meet on the set of Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2, but they have been together even before that. She said, "We didn't start dating on the show, we were dating before the show." Tulsi's onscreen daughter said, "By the time I got the call for Kyunki, Aman Gandhi had already been finalised for the show." While Shagun and Aman are dating in real life, the brother-sister duo are in a relationship on the show. In the show, they are enemies because of Pari's discovery of the truth about her onscreen love, Ranvijay.

Emraan's film "Haq" shines at the box office on Tuesday, with earnings soaring

The pairing of Emraan Hashmi and Yami Gautam has created a sensation since its release. Their film, "Haq," based on a different subject, has received positive reviews from critics, and its earnings have also seen a jump on Tuesday. Here's how much the film earned in five days: "Haq" soar on Tuesday" Emraan Hashmi's film is winning hearts - this is the total collection of the film in 5 days. Moving away from his serial kisser image, Emraan Hashmi is choosing meaningful stories over time. His courtroom drama "Haq," starring Yami Gautam, was released in theaters on November 7th. Emraan Hashmi and Yami Gautam, who appeared together for the first time in a film, are making waves with their story inspired by real life. "Haq" has been successful in capturing hearts and doing good business at the box office. After a decent opening on Monday, the film's earnings saw a jump on Tuesday. Haq finds a ray of hope on Tuesday. Suparn Verma tackles a topic in "Haq" that filmmakers often consider before taking on. However, his story is touching people's hearts. The movie, which opened with 1.75 crores on Friday, grossed over 3 crores on Saturday and Sunday in single-days. However, on Monday, the film's earnings dipped slightly, earning only 1.05 crores. Now, on Tuesday, the makers of "Haq" have once again found a glimmer of hope, as the film's collections are seeing a slight uptick. According to reports from Sacanlick.com, the film earned approximately 1.25 crores on a single-day basis on Tuesday. Made on a budget of this much crores, Haq has grossed a total of 11.25 crores at the domestic box office in five days. The movie has also earned up to 15.75 crores worldwide. The budget of this movie starring Emraan Hashmi and Yami Gautam is only 25 crores. Now Haq has to earn only 10 crores at the box office to recover the budget. Talking about the story of the movie, the movie is about a Muslim woman who fights for her rights in the court against her husband and for the sake of her children. Yami Gautam has played the role of Shazia Bano in the movie and Emraan Hashmi has played the role of Abdul Ali Khan.